हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026
भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

तापमान

अधिकतम 26.4 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

प्रवेश प्रारंभ
श्रेयस (प्रा.) I.T.I.
Affiliated By : NCVT & DGET)
New Delhi (Govt. of India)
ट्रेड-इलेक्ट्रिशियन, कोपा, डीजल मैकेनिक, फिटर
योग्यता-10वीं पास (प्राइवेट, ओपन, पत्राचार, नियमित)
अनुभवी प्रशिक्षक
अतिशीघ्र प्रवेश लेवें, प्रथम प्रवेशित 50 छात्रों को विशेष छूट
पता: ग्राम व पोस्ट ढौर (जामुल), जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मो. 9479207995, 9993776717, 9755112637

खबर संक्षेप

4 स्थायी 3 गिरफ्तारी वारंट के आरोपियों को पकड़ा

भिलाई। अभियान चलाकर सुपेला पुलिस ने चार स्थायी वारंटी और तीन गिरफ्तारी वारंट तामिल किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि विभिन्न स्थानों पर घेराबंदी कर न्यायालय से जारी स्थायी वारंट और गिरफ्तारी वारंट वाले आरोपियों को पकड़ा गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ लंबित वारंटों का तामिल कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जिसमें गौतम नगर सुपेला निवासी खेमराज यादव, न्यू कृष्णा नगर, डमरू मोहल्ला, सुपेला खेमचंद पिपरोल उर्फ हेमचंद , वार्ड 5, कृष्णा नगर सुपेला शिव खुटेल, पांच रास्ता कमलेश यादव, इस्लाम नगर, सुपेला मो. अलीम कुरैशी, रेशम आवास शेबु खान उर्फ मो. सैफ शामिल है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला अम्बर भारद्वाज और उनकी टीम का योगदान है।

तीजन की विरासत को संभालना कलाकार व सरकार का दायित्व

अपने तंबूरे से पूरी दुनिया नापने वालीं सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिक तीजन बाई ने छह दशकों तक कलाजगत में राज किया। यही वजह है कि उनके निधन पर प्रकृति ही नहीं रोई बल्कि कलाकारों से लेकर ग्रामीणों और राजनीतिक क्षेत्र तक के लोगों की आंखें नम हो गईं। उनके लिए रुंधे गले व नम आंखें इस कलाकार के लोक कला के लिए समपर्ण और संघर्ष का प्रमाण हैं। उनके देहांत पर गनियारी में जुटे हर वर्ग के लोग शामिल थे। हुजूम में लोग मसूलाधार वर्षा में भीगते हुए उनके घर से मुक्तिधाम एक किमी की दूरी ऐसे तय कर रहे थे जैसे एक दो कदम व मौसम समान्य हो।

हरिभूमि न्यूज ▸▸|भिलाई

सत्तर के दशक में भिलाई मेला से अपने लोक कला जगत की सफर शुरु करने वाली इस कलासाधिका ने साठ बरस की कला यात्रा में रायपुर से लेकर संबलपुर व दल्ली से लेकर दिल्ली व लंदन व पेरिस तक दुनिया के हर देश में अपने लिए जगह बनाई। कलाकारों के मुताबिक इसके लिए आर्थिक ही नहीं सामाजिक उपेक्षा का दंश भी झेला । यही वजह है कि उन्हे पद्म पुरस्कार से लेकर पांच यूनिवर्सिटी ने डीलिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। कलाकारों सहित कलाप्रेमी बिरादरी व जन प्रतिनिधि उनके योगदान को छग व पूरे देश का गौरव बताते हैं। उनका कहना है कि छग की सांस्कृतिक दूत तीजन की विरासत को संभालकर रखना अब कलाकारों व परिवार ही नहीं बल्कि सरकार व कलाप्रेमिया का उत्तरदायित्व है। सभी ने उनके निधन को एक युग का अंत बताते हुए छग में कला संस्कृति के जमीनी विकास को सच्ची शोकांजलि बताया।

अंतिम सांस तक तंबूरा थामे रहने व कला को आगे बढ़ाने की थी अंतिम इच्छा

फिल्मों में पंडवानी का संदेश : रजनीश झांझी

पंडवानी गुरु तीजन बाई के जाने से एक युग का अंत हो गया है। मुझे रंगमंच के साथ उनके साथ बीएसपी में सानिद्धय का भी गर्व है। तीन चार फिल्मों में मैंने उनकी पंडवानी का संदेश दिया। सरकार को अब तीजन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनकी परंपरा व विरासत को संभालकर रखने की होगी।

मेरी गुरु और हाई पिच कलाकार थीं तीजन : ऋतु वर्मा, नकुल

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका ऋतु वर्मा के लिए तीजन गुरु से बढ़कर थीं। बताती हैं कि तीजन बाई का गला व कला दोनों बेजोड़े थे। वे सदैव मेरा हौसला बढ़ाती थीं। कला व परिवार दोनों संभालना उनकी बड़ी महारथ थी। वरिष्ठ रंगमंच कलाकार नकुल महलवार बताते हैं कि वे हाई पिच व लोक गायन अभिनय की अद्भुत कलकार थीं। प्रस्तुति में शबाब के साथ सुरीली आवाज रस घोलती जाती थी। उनका संघर्ष हमारे लिए एक सपना व मिसाल की तरह है।

विरासत संजोए : मीना साहू

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका मीना साहू के लिए तीजन एक बहन की तरह थीं । बताती हैं कि तीस साल उनके साथ पंडवानी प्रस्तुति के साथ दुख सुख मे साझा किए। वे कभी निराश नहीं होती थीं और बहुत खुश भी नहीं होती थीं। अब दूसरी तीजन तो नहीं होगी लेकिन उनकी विरासत को बढ़ाना हमारा दायित्व है। तीजन के देश विदेश में कई शिष्य हैं। मात्र यू ट्यूब देख उनसे तीजन से आशीर्वाद ले सबसे कम उम्र की पंडवानी गायिका शिष्य --- बतात हैं कि 7 साल की उम्र में उनकी पंडवानी देख तंबूरा थामन की इच्छा हुई। फिर घंटों मोबाईल पंडवानी सीखा। जब तीजन गुरु की घर आशीर्वाद के लिए गई तो गले लगाकर आगे बढ़ने का आशीवार्द दिया।

संघर्ष अदभुत : चेतन

पंडवानी गायक चेतन देवांगन ने बताते हैं कि तीजन बाई ने पंडवानी के लिए जितना संघर्ष किया, ऐसी मिसाल कम ही मिलती है। जब वे पंडवानी गायन शुरु किया तो मैं भी पंडवानी को समझ रहा था। उनकी प्रेरणा से आगे बढ़ता गया । संयोग यह कि पाटन से दोनों का जुड़ा रहा। गनियारी जैसे छोटे से पगडंडीभर झोपड़ीवाले गांव के शिकारीपारा से पूरी दुनिया में पंडवानी का परचम लहराना मिसाल है।

तीजन में संगीता का संगीत

तीजन बाई पर बनी शार्ट फिल्म तीजन में उनकी मां की भूमिका निभाना संगीता के लिए यादगार अनुभव था। बताती हैं कि तीजन की मां सुखबती कठोर अनुशासन वाली एक ठेठ ग्राम्य महिला थीं। जो तीजन को शुरु में घरेलू लड़की तरह रहने और तंबूरा न थामने की सलाह देती थीं।

मैं महाभारत कराती नहीं, गाती हूं

1983 में फ्रांस महोत्सव व बांग्लादेश में यादगार पंडवानी देकर लौटीं तीजन को जब पीएम इंदिरा गांधी ने अपने आवास पर चाय पर बुलाया तो वह पल पंडवानी गायिका व सहकलाकारों के लिए यादगार था। औपचारिक हास परिहास में जब स्व. गांधी ने तीजन से कहा कि जब तुम तो महाभारत कराती हो कैसा फील करती हो। हाजिरजवाब तीजन ने भी मुस्कराते हुए कहा कि महाभारत को राजनीतिक लोग कराते हैं । मैं तो महाभारत कराती नहीं बल्कि महाभारत की कथा पंडवानी गाती हूं। सहकलाकार व मनमोहना लोककला मंच में साथ रहे मनहरण सार्वा बताते हैं कि इंदिरा गांधी व पीए तीजन की बात सुनकर दिल खोलकर हंसे थे। चंदखुरी दुर्ग के कलाकार रेशम साहू बताते हैं कि तीजन के मंडली के चंदखुरी के वरिष्ठ कलाकार के घर मणि कौल की फिल्म की शूटिंग पर 80 के दशक में प्रसिद्ध अभिनेत्री स्मिता पाटिल तीजन से मिलकर पंडवानी सीखने की इच्छा जताई तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि मैं तो खुद अभी सीख रही हूं आपको सीखने मेरे साथ छिन झाड़ पर चढ़ना होगा। इस दौरान स्मिता पाटिल कच्चे मकान में जब यूरिन के लिए जाने भटक रही थीं तो तीजन ने सहज कहा कि हम तो रद्हा में खड़ी बैलागाड़ी के ओट में निपट लेते हैं। स्मिता सुनकर लोटपोट हो गईं थीं।

सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक ने की 1.11 करोड़ की ठगी

दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸|भिलाई

- 267 महिलाओं को ऋण दिलाने का दिया था झांसा
- ऋण किस्त और लोन क्लोजर के नाम पर

ऋण किस्त और लोन क्लोजर का झांसा देकर सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने 267 महिलाओं के साथ ठगी किया। शिकायत के बाद पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि अशोक कुमार वर्मा की संस्था सेव फाइनेंशियल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड का सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के साथ अनुबंध है। जो महिलाओं को ऋण दिलाता है।

ऑडिट के दौरान धमधा शाखा में पदस्थ शाखा प्रबंधक एवं कर्मियों द्वारा ग्राहकों से मिले ऋण राशि, किस्त, लोन क्लोजर की राशि कंपनी में जमा नहीं करने की जानकारी मिली। कंपनी के कर्मियों को नोटिस जारी कर राशि जमा करने का समय दिया। बावजूद राशि जमा नहीं की गई और न ही नोटिस का जवाब दिया गया। ऑडिट में पाया गया कि शाखा प्रबंधक कर्मियों ने मिलकर ग्राहकों से 1.11 करोड़ 93 हजार 173 रुपये की राशि का गबन किया गया। जांच में पुलिस ने गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर साजा, जिला बेमेतरा निवासी अनिल विश्वकर्मा, पाटन संदीप कुमार खूंटीहरे को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर दोनों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर अन्य फरार की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

बालोद में हमला : पांच युवक नेवई से गिरफ्तार

भिलाई। बालोद जिले में बेटी से बात करने से मना करने पर युवकों ने मिलकर साथियों के साथ पिता पर प्राणघातक हमला करने के मामले में बालोद पुलिस ने नेवई थाना क्षेत्र के 5 युवकों को गिरफ्तार कर ले गई। देवरी थाना प्रभारी मनीष शेंडे ने बताया कि 30 जून रात बालोद जिले के पिनकापार चौकी क्षेत्र के ग्राम संबलपुर में पहुंचकर नेवई निवासी भानु प्रताप जैन, नीरज रस्तोगी, तुषार निर्मलकर, दिनेश ढीमर,कुंदन यादव और बालोद निवासी दीपेश पटेल ने गौकरण साहू के सिर पर हमला कर दिया। गौकरण ने साल भर पहले भानूप्रताप जैन को बेटी से दूर रहने की सलाह दिया था। इसके अलावा भानू के माता पिता को बुलाकर फटकार भी लगाई थी। इसी बात को लेकर भानू रंजिश रखा हुआ था। मौका मिलते ही साथियों के साथ मिलकर घर में घुसकर गौकरण पर हमला कर दिया। घटना के समय ग्राम संबलपुर निवासी गौकरण साहू परिवार के साथ घर में सो रहे थे, तभी अचानक 6 युवक दो बाइक,एक स्कूटी से गांव पहुंचे। इनमें से दो आरोपी बाहर निगरानी करते रहे थे जबकि चार आरोपी मकान के भीतर घुस गए। जमकर बवाल मचाया। आवाज सुनकर परिजन उठ गए। हमले के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिलने के बाद बालोद पुलिस नेवई थाना क्षेत्र पहुंची और पांच आरोपी को पकड़कर साथ लेकर गई।

मा. अटल श्रीवास्तव
विधायक कोटा
श्रीमती गजमती भानू
जिलाध्यक्ष कांग्रेस
डॉ. के.के. ध्रुव
पूर्व विधायक मरवाही
मा. राकेश जालान
अध्यक्ष, न.पा.प. पेण्ड्रा
मा. अमित जोगी
पूर्व विधायक मरवाही
मा. लालजी यादव
जिलाध्यक्ष भाजपा
मा. राकेश चतुर्वेदी
जिला उपाध्यक्ष भाजपा
सुश्री समीरा पैकरा
अध्यक्ष, ज़िला पंचायत
मा. प्रणव कुमार मरपच्ची
विधायक मरवाही
मा. संजय गुप्ता
संचालक, श्री धन्वन्तरि केमिकल
डा. सुकांत बिस्वास
संचालक, बिस्वास जनरल हॉस्पिटल
डा. प्रकाश सुल्तानिया
संचालक, स्वास्तिक हॉस्पिटल
श्रीमती शैलजा स्वामी
प्राचार्य, माँ कल्याणिका पब्लिक स्कूल, पेंड्रारोड
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भीं
& inh 24x7 बढ़ते भारत की आवाज़
Presents
जिला संवाद 2026
गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही
डॉ. हिमांशु द्विवेदी
प्रधान संपादक - हरिभूमि, आईएनएच
मा. गुरू खुशवंत साहेब
कैबिनेट मंत्री छ.ग. शासन
जिला संवाद 2026 गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही
छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले के विकास में कारगर हो रही योजनाओं, विकास कार्यों एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा एवं मंथन एक मंच पर
6 जुलाई 2026, सोमवार, समय : दोपहर 1.00 बजे से
कार्यक्रम स्थल -असेम्बली हॉल, मल्टीपरपज स्कूल, पेण्ड्रा, जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)
इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के विकास को सुनिश्चित करेगी।
सहयोगः- स्वास्तिक हेल्थ केयर एंड डायबिटिज सेंटर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर | बिस्वास जनरल हॉस्पिटल | श्री धन्वन्तरि केमिकल | फरमानिया हार्डवेयर पेण्ड्रा
MP TATA PLAY 1155 | airtel 366 | hathway 229 | DEN 350 | GTPL ACN 172 | 367 | SITI 359 | RCN 236 | RAJA CABLE 253 | ACN 227 | inh | जनता TV | CG TATA PLAY 1155 | airtel 366 | hathway 222 | DG 367 | 347 | Grand News 345 | SITI 314 | BCC 326 | NST 1150 | VANDE MATRAM NETWORK 397 | 478 | NEXT DIGITAL 812 | एवं सभी केबल नेटवर्क पर उपलब्ध

लोककला की अमर स्वर-सम्राज्ञी : तीजन बाई

पंडवानी गायन को विश्व मंच तक पहुँचाने वाली महान लोक कलाकार को शत्-शत् नमन

"स्वर मौन हो सकते हैं, किंतु महान कलाकारों की साधना और उनकी विरासत कभी समाप्त नहीं होती।"

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने वाली प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई भारतीय लोककला की सबसे सशक्त हस्तियों में गिनी जाती हैं। अपनी ओजपूर्ण वाणी, प्रभावशाली अभिनय और अद्भुत कथावाचन शैली से उन्होंने महाभारत की लोकगाथाओं को जन-जन तक पहुँचाया। उनका संघर्ष, समर्पण और कला-साधना आज भी कलाकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

तीजन बाई का जन्म छत्तीसगढ़ के एक साधारण परिवार में हुआ। बचपन से ही उन्हें पंडवानी गायन में गहरी रुचि थी। सामाजिक रूढ़ियों और अनेक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपनी कला को नहीं छोड़ा। निरंतर अभ्यास और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई।

पंडवानी को दिलाई वैश्विक पहचान

तीजन बाई ने अपनी विशिष्ट 'कापालिक' शैली में पंडवानी की प्रस्तुति देकर इस लोककला को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उन्होंने भारत ही नहीं, बल्कि अनेक देशों में अपनी प्रस्तुतियों से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत का गौरव बढ़ाया और विश्वभर के दर्शकों को भारतीय लोकपरंपरा से परिचित कराया।

सम्मान और उपलब्धियाँ

लोककला के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया। ये सम्मान उनके अद्वितीय योगदान और कला-साधना की राष्ट्रीय मान्यता हैं।

श्रद्धांजलि

तीजन बाई भारतीय लोकसंस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। उनका जीवन संघर्ष, आत्मविश्वास और समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ का नाम विश्वभर में गौरवान्वित किया। उनके प्रति हमारी हार्दिक श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता सदैव बनी रहेगी। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को लोककला के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

सस्ता सस्ता सस्ता
न्यु ओम ज्वेलर्स
शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध
जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री
916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने
अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध
आज ही पधारें
सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है
- 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
- टोटल हाल मार्क जेवर
- स्पेशल पर्स, बैग फ्री
- रिपेयरिंग फ्री
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण
तीजन बाई को शत्-शत् नमन एवं श्रद्धांजलि...
कविता वासनिक
संचालिका
अनुराग धारा, राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण
तीजन बाई को शत्-शत् नमन एवं श्रद्धांजलि...
टिकेश्वरी देशमुख
वरिष्ठ रंगकर्मी छ.ग. एवं लोकमंजरी परिवार भिलाई

B.M. COLLEGE
BCA
BBA
PGDCA
B.Ed.
आई.टी.आई.
- इलेक्ट्रिशियन
- कम्प्यूटर (कोपा)
- हेल्थ सनेटरी इंस्पेक्टर
- फायर टेकनालॉजी
- डीजल मैकेनिक
- स्टेनो (हिन्दी)
शासकीय आई.टी.आई. के पीछे, गोकुल नगर, पुलगाँव, दुर्ग (छ.ग.)
8770638793, 9340311314, 9303893829, 9300850065
प्लॉट · फॉर्म हाउस · खेत · मकान · फ्लैट
समर्थ डेव्हलपर्स & बिल्डर्स
तमेर पारा, दुर्ग (छ.ग.)9303893829, 7000786116

संस्थापक
स्व. श्री दीपक चंद्राकर
छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण
तीजन बाई को शत्-शत् नमन एवं श्रद्धांजलि...
संचालक एवं निर्देशक
आनंद देव चंद्राकर
संस्था - लोकरंग अर्जुन्दा

छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण
तीजन बाई को शत्-शत् नमन एवं श्रद्धांजलि...
नटवर ताम्रकार
पूर्व अध्यक्ष-
नगर पालिका परिषद, अहिवारा
उपाध्यक्ष -
भारतीय जनता पार्टी भिलाई

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...
छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण
तीजन बाई को शत्-शत् नमन एवं श्रद्धांजलि...
BJYM
लोकेश पाण्डेय
पूर्व जिला महामंत्री, भाजपा युवा मोर्चा
@lokeshpanday @lokeshpanday @lokeshpanday 98261 30225

केंद्रीय टीम ने पाटन विकासखंड में सघन कुष्ठ जांच और खोज अभियान का किया मुआयना

मितानिनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से चर्चा की, डेटा प्रविष्टि को भी देखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सघन कुष्ठ जांच एवं खोज अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन का निरीक्षण करने केंद्रीय टीम ने पाटन विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। 15 जून से 15 जुलाई तक जारी निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अभियान के दौरान घर-घर सर्वेक्षण की गुणवत्ता, संभावित कुष्ठ रोगियों की पहचान, उपचार व्यवस्था तथा ऑनलाइन रिपोर्टिंग प्रणाली का मूल्यांकन करना था।

निरीक्षण दल में केंद्रीय टीम से डॉ. श्वेता साहू मेडिकल ऑफिसर एवं मसीह आरएलटीआई, रायपुर शामिल रहे। उनके साथ जिला कुष्ठ अधिकारी दुर्ग डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, डीएलसी भुनेश कोसमा, एनएमए जाकिर खान तथा पाटन विकासखंड से डॉ. बी. कठौतिया बीएमओ, पूनम साहू बीपीएम,चंद्रकांता साहू बीईटीओ एवं बसंत साहू आरएचओ उपस्थित रहे।

केंद्रीय टीम ने ग्राम छाटा, गोंड़पेंड्री एवं सेलूद का भ्रमण कर मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे घर-घर सर्वेक्षण का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। टीम ने सर्वेक्षण के दौरान प्रत्येक परिवार तक पहुंचने की प्रक्रिया, ग्रामीणों से संवाद, कुष्ठ रोग के प्रारंभिक लक्षणों जैसे त्वचा पर सुन्न सफेद या तांबे रंग के चकत्ते, हाथ-पैरों में सुन्नपन, नसों में सूजन तथा दर्द के संबंध में दी जा रही जानकारी का अवलोकन किया। साथ ही संदेहास्पद मरीजों की पहचान एवं उन्हें स्वास्थ्य संस्थान तक भेजने की प्रक्रिया की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान घरों की बाहरी दीवारों पर अभियान के अंतर्गत किए जा रहे मार्किंग कार्य, सर्वेक्षण प्रपत्रों का संधारण, दैनिक प्रगति का रिकॉर्ड तथा यूएचएस पोर्टल में ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि की प्रक्रिया का भी बारीकी से परीक्षण किया गया। केंद्रीय टीम ने ऑनलाइन रिपोर्टिंग की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष जोर देते हुए सभी जानकारी का सही एवं अद्यतन रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए। दल ने अभियान के दौरान उपचार प्राप्त कर रहे कुष्ठ रोगियों से भी मुलाकात की। इस दौरान रोगियों के नियमित दवा सेवन, उपचार की प्रगति, नसों की स्थिति, डिफॉर्मिटी एवं कुष्ठ रिएक्शन की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही रोगियों को उपचार बीच में न छोड़ने, नियमित रूप से स्वास्थ्य संस्थान में फॉलो-अप कराने तथा स्वयं की देखभाल अपनाने के संबंध में भी जागरूक किया गया।

केंद्रीय टीम ने मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से चर्चा कर अभियान के दौरान आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान की जानकारी भी प्राप्त की। टीम ने सर्वेक्षण कार्य में सक्रिय सहभागिता, ग्रामीणों को जागरूक करने के प्रयास, संदिग्ध मरीजों की समय पर पहचान तथा ऑनलाइन रिपोर्टिंग व्यवस्था की सराहना की। उल्लेखनीय है कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य घर-घर जाकर कुष्ठ रोग के संभावित मरीजों की शीघ्र पहचान करना, समय पर उनका उपचार प्रारंभ करना, रोग के संक्रमण की श्रृंखला को रोकना तथा कुष्ठ रोग से होने वाली स्थायी विकलांगता को रोकना है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर सुन्न सफेद अथवा तांबे रंग के चकत्ते दिखाई दें, हाथ-पैरों में सुन्नपन या नसों में दर्द एवं कमजोरी महसूस हो, तो बिना किसी संकोच के निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। कुष्ठ रोग का उपचार पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध है तथा समय पर उपचार से यह रोग पूरी तरह ठीक हो सकता है।

खबर संक्षेप

मदद के बहाने लूटपाट जुर्म दर्ज

भिलाई। मदद के बहाने एक्टिवा सवार अज्ञात युवकों ने मारपीट कर लूटपाट कर मौके से फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि डेजी 392 तालपुरी ब्लाक बी भिलाई निवासी सूर्यंश सिंह कार वाशिंग का शॉप चलाता है। 3 जुलाई को सिविक सेंटर से अपनी स्कूटी सी.जी. 07 बी.डब्लू. 8103 में आया था। वापस अपने घर जाने के लिये निकला तभी सेक्टर 10 सडक 47 भिलाई के पास पहुंचा ते ही स्लीप होकर गिर गया। तभी दो अज्ञात एक्टीवा सवार युवक पहुंचे मदद के बहाने पीड़ित को हाथ मुक्का लात से मारपीट किया। उसके पास रखे तीन मोबाईल, घडी, सोने की चैन,नगदी रकम 1500 रूपये लुटकर फरार हो गए। आसपास खोजबीन करने के बाद युवकों की कोई जानकारी नहीं मिलने पर शिकायत पुलिस से किया। मामले में पुलिस जांच में जुटी हुई है। घटनाव को अंजाम देने वाले युवकों की उम्र करीब 25-27 बताई जा रही है। घटनास्थल के पास लगे सीसी कैमरों को पुलिस खंगाल रही है।

सहकारी सप्ताह में हुआ पौधारोपण

पाटन। सेवा सहकारी समिति मर्यादित केसरा द्वारा सहकारी सप्ताह के अवसर पर समिति कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान एवं किसानों को कृषि उपकरण वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक थी। अपने उद्बोधन में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा कि सहकारिता किसानों की आर्थिक उन्नति, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण विकास का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान किसानों को स्प्रेयर पंप सहित विभिन्न कृषि उपकरण वितरित किए गए।

निधन

उषा सिंह

दुर्ग। आदर्श नगर दुर्ग निवासी उषा सिंह (61 वर्ष) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार 6 जुलाई को दोपहर 120 बजे शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे आशुतोष सिंह की पत्नी, ओजस्विता व ऐश्वर्या की मां और आस्तिक की सास थी।

लक्ष्मण साहू

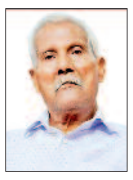

भिलाई। ग्राम जरवाय निवासी एवं बीएसपी सेवानिवृत्त कर्मचारी लक्ष्मण साहू 86 वर्ष का आकस्मिक निधन 5 जुलाई को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 6 जुलाई सोमवार को स्थानीय मुक्तिधाम जरवाय भिलाई-3 में किया जाएगा। वे छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के सचिव, साहू समाज संघ तहसील भिलाई -3 चरोदा के संगठन सचिव एवं भाजपा मंडल भिलाई -3 के मंत्री राजेंद्र साहू, एवन साहू, मीरा साहू, लक्ष्मी साहू, महेश्वरी साहू एवं रजनी साहू के पिता थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र का निर्देश, जिला शिक्षा अधिकारी ने कराया पालन

स्कूलों के निरीक्षण में रसोइए और शिक्षक मिले नदारद, जवाब देने के लिए नोटिस जारी

शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और स्वच्छता में सुधार लाने स्कूल शिक्षा विभाग की पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अथर्व शर्मा द्वारा धमधा विकासखंड के शासकीय विद्यालयों का लगातार सघन निरीक्षण किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, स्वच्छता एवं विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार लाना है।

3 जुलाई को बीईओ अथर्व शर्मा एवं सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कैलाश साहू की संयुक्त टीम ने घोटवानी, डीहपारा, भाठाकोकड़ी, हीरेतरा, खैरझिटी एवं धूमा के शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, मध्यान्ह भोजन, स्वच्छता तथा विद्यालयीन व्यवस्थाओं का गहन मूल्यांकन किया गया।

पूर्व माध्यमिक शाला घोटवानी में बीईओ अथर्व शर्मा ने कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों से संवाद कर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। विद्यालय का अधिगम स्तर संतोषजनक पाया गया तथा परिसर में विकसित प्रिंट-रिच वॉल की विशेष सराहना की गई। निरीक्षण के दौरान घोटवानी विद्यालय में छह रसोइयों में से तीन रसोइए अनुपस्थित पाए गए, जिनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं पूर्व माध्यमिक शाला अकोली एवं आगार के अनुपस्थित शिक्षकों को भी नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

हायर सेकेंडरी स्कूल घोटवानी में कक्षा 12वीं के अंग्रेजी विषय के अध्यापन का निरीक्षण करने पर विद्यार्थियों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर मिला। इस पर बीईओ ने प्राचार्य एवं संबंधित व्याख्याता को अध्यापन गुणवत्ता में सुधार, कक्षा 9वीं से 12वीं तक नियमित प्रैक्टिस कक्षाएं संचालित करने तथा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पूर्व माध्यमिक शाला हीरेतरा में कक्षाओं की प्रकाश व्यवस्था खराब मिलने पर प्रधान पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा एक सप्ताह के भीतर सभी कक्षों में ट्यूबलाइट लगाने के निर्देश दिए गए। वहीं शासकीय प्राथमिक शाला खैरझिटी के विद्यार्थियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय पाया गया। कक्षा दूसरी से पांचवीं तक के अधिकांश विद्यार्थी हिंदी का शुद्ध पठन करने में सक्षम मिले तथा उन्हें 15 तक के पहाड़े भी याद थे। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बीईओ अथर्व शर्मा ने विद्यालय के शिक्षकों की प्रशंसा की। विकासखंड शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा ने कहा कि विकासखंड के सभी शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नियमित एवं सघन निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

राजीव चौक में अधूरी सोलर लाइट योजना पर फूटा व्यापारियों का गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

- अधिकारियों की लापरवाही से चार माह से अंधेरे में बाजार

पाटन नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 3 स्थित राजीव चौक पुरानी हटरी में अधूरी पड़ी सोलर स्ट्रीट लाइट योजना अब संबंधित अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। करीब चार महीने पहले बड़े दावों के साथ सोलर लाइट लगाने के लिए खंभा तो खड़ा कर दिया गया, लेकिन इसके बाद काम पूरी तरह ठप हो गया। नतीजा यह है कि नगर का सबसे व्यस्त बाजार क्षेत्र आज भी रात होते ही अंधेरे में डूब जाता है।

स्थानीय व्यापारियों और सब्जी विक्रेताओं का आरोप है कि कई बार शिकायत और मांग करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन देते रहे, लेकिन धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारियों की उदासीनता का खामियाजा रोजाना व्यापारियों और आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण ग्राहकों की संख्या प्रभावित हो रही है, वहीं चोरी और अन्य अप्रिय घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी हुई है।

व्यापारियों का कहना है कि यदि योजना पूरी नहीं करनी थी तो करोड़ों की योजनाओं और विकास के दावों का क्या औचित्य है? केवल खंभा लगाकर फोटो खिंचवाना और बाद में काम अधूरा छोड़ देना जनता के साथ छल है। लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण सरकारी योजनाएं कागजों तक सीमित होकर रह गई हैं।

नगरवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द सोलर स्ट्रीट लाइट का कार्य पूरा नहीं किया गया है मजबूर व्यापारियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर लापरवाह अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और अधूरी योजना को तत्काल पूरा कर बाजार क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि व्यापारियों और आम जनता को राहत मिल सके।

जलभराव का नपा अध्यक्ष ने किया मुआयना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नगर पालिका परिषद जामुल में पहली बारिश के बाद वार्डों में जलभराव, नालियों की अवरुद्ध निकासी और जनसमस्याओं की जानकारी मिलते ही नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। जामुल में कई जगह जलभारव की स्थिति निर्मित हुई लेकिन शिकायत के बाद उसे व्यवस्थित भी किया गया। निरिक्षण के दौरान श्री ठाकुर ने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों को तुरंत मौके पर ही आवश्यक निर्देश भी दिए। समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आदेश भी दिया है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान नगरवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। जल निकासी समेत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर बेहतर काम किया जाएगा।नपा अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी वार्डों में नियमित रूप से नालियों की सफाई, जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी होनी चाहिए। आवश्यक मरम्मत कार्य तत्काल किया जाए। नगर पालिका परिषद जनहित के कार्यों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

व्यावहारिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक शिक्षा ही देती है जीवन को ऊंची उड़ान : डॉ. सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

- विजन 360 लेक्चर सीरीज के तहत यूरोलॉजिस्ट डॉ. एचपी सिन्हा ने दिया संदेश

विचक्षण जैन विद्यापीठ कुम्हारी में शनिवार को विजन 360 लेक्चर सीरीज के अंतर्गत प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट एवं आध्यात्मिक चिंतक डॉ. एच. पी. सिन्हा का व्याख्यान आयोजित किया गया। "बैलेंसिंग फॉर्मल एजुकेशन एंड स्पिरिचुअल एजुकेशन" विषय पर आयोजित इस विशेष सत्र में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दी।

अपने उद्बोधन में डॉ. सिन्हा ने कहा कि केवल व्यावहारिक शिक्षा जीवन में सफलता दिला सकती है, लेकिन आध्यात्मिक शिक्षा व्यक्ति को ऊँचाइयों तक पहुँचाने की शक्ति प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में संस्कार नहीं हैं तो विकास अधूरा रह जाता है। "जैसे किसी वृक्ष का संपूर्ण विकास उसकी मजबूत जड़ों पर निर्भर करता है, उसी प्रकार व्यक्ति के जीवन की जड़ उसके संस्कार हैं। जड़ें मजबूत होंगी, तभी व्यक्तित्व विशाल वृक्ष की तरह विकसित होगा।"

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है बेहतरी का निरंतर अनुसरण करना। प्रत्येक विद्यार्थी के भीतर कोई न कोई विशिष्ट प्रतिभा होती है, जिसे पहचानकर हमे उसे निरंतर निखारना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफल होना नहीं, बल्कि स्वयं का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनना होना चाहिए।

स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. सिन्हा ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ एवं एकाग्र मन का निवास होता है। विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम, संतुलित दिनचर्या और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि जब शरीर स्वस्थ रहेगा तभी मस्तिष्क अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य कर सकेगा।

उन्होंने जीवन में कृतज्ञता के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने माता-पिता, गुरुजनों, परिवार, समाज तथा जीवन में सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सदैव आभारी रहना चाहिए। कृतज्ञता व्यक्ति के व्यक्तित्व को विनम्र, सकारात्मक एवं समृद्ध बनाती है। इस अवसर पर विद्यालय ट्रस्ट मंडल के सुरेश कांकरिया, प्रकाश मालू, सम्पत झाबक, राजेश सावनसुखा, राजेश गिड़िया, सीए विजय मालू, सुनील गोलछा एवं राजेंद्र जैन सहित विद्यालय के प्राचार्य ए. पी. सिंह, ऋषभ कोटड़िया एवं सौरभ पारख भी उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में श्रीमती मनीषा सिन्हा एवं अशोक पगारिया की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

खोपली में नवप्रवेशी बच्चों का हुआ स्वागत

उतई। सत्र 2026-27 के अंतर्गत संकुल केन्द्र खोपली में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक, पुष्पहार एवं अध्ययन सामग्री देकर मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंजू फतेलाल वर्मा सरपंच ग्राम पंचायत खोपली रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि ललिता गोवर्धन बारले सरपंच ग्राम पंचायत घुघसीडीह उपस्थित रहीं। साथ ही शिक्षा विभाग से उपसंचालक समृद्धि जोशी,जिला स्रोत समन्वयक सिन्हा,विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, विकासखंड स्रोत समन्वयक श्रवण सिन्हा, यू आर सी नेम सिंह साहू उपस्थित थे। पांचवीं, आठवीं,दसवीं,बारहवीं में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त किये बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य वीणा दुबे, संकुल समन्वयक इंद्रेश बंजारे, सुंदर लाल देवांगन, बी संध्या, मोनिका, राम, विरेन्द्र मरई आदि उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

विद्यार्थियों के करियर के लिए मील का पत्थर होगा एआई आधारित तकनीकी ज्ञान

भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आज के समय में बढ़ती डिजिटल शिक्षा को ध्यान में रखते हुए इसके विभिन्न पाठ्यक्रम और सर्टिफिकेट कोर्स शामिल किए गए है। एआई क्लाउड और डिजिटल लर्निंग को प्रोत्साहित करना है, जो आज के रोजगार क्षेत्रों की बढ़ती मांग है। विश्वविद्यालय में इसके लिए गूगल कैंपस 2.0 जैसी पहल प्रारंभ हुई हैं जो विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित नही रखती, बल्कि उन्हें एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल तकनीकों में दक्ष बनाकर उद्योग की आवश्यकताओ के अनुरूप तैयार करती है। इससे उनकी रोजगार क्षमता, नवाचार की सोच और व्यावसायिक क्षमता बढ़ती है। विश्वविद्यालय के टेक्निकल कैंपस के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट आफिसर डॉ. मोनिका श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी गूगल क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल तकनीकों से जुड़ी नई स्किल्स सीख सकते हैं, जो रोजगार के लिए उपयोगी हैं। विश्वविद्यालय में कई गूगल के प्रशिक्षण एवं सर्टिफिकेट कार्यक्रम उपलब्ध है। डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि गूगल की कैंपस 2.0आधारित शिक्षा, क्विज, प्रश्नोतर जैसी सुविधाएं पढ़ाई को अधिक प्रभावी बनाती हैं। वहीं वर्कस्पेस जैसी डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रोजेक्ट, असाइनमेंटऔर टीमवर्क करना आसान हो जाता है। विश्वविद्यालय में 51 गूगल कॅरियर सर्टिफिकेट कोर्स निः शुल्क उपलब्ध हैं। वहीं 14 प्रसिद्ध कंपनियों के द्वारा प्लेसमेंट का अवसर भी उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. स्मिता सेलेट ने कहा कि विधार्थियों को एआई आधारित तकनीकी ज्ञान उनके भविष्य के करियर के लिए मील का पत्थर होगा। इसके अंतर्गत डेटा एनालिटिक्स, डेटा मैनेजमेंट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, यू एक्स डिजाइन, सायबर सिक्युरिटी, डिजिटल मार्केटिंग जैसे कोर्स बेहतर रोजगार के अवसर देंगे। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सोनू अग्रवाल ने बताया की कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को इन सर्टिफिकेट कोर्स की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय में बीटेक के पाठ्यक्रम में एआई, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और सायबर सिक्योरिटीज, स्पेशलाइजेशन उपलब्ध है जो आज के समय में रोजगारोन्मुखी है।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेजर मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
उपलब्ध सुविधाएँ
- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
- एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
- बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
- आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
- TPA की सुविधा
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी.सिंह
(एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह
(एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
संपर्क करें
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

सबसे ज्यादा दुर्ग में, खेती किसानी में आएगी तेजी, आज भी भारी बारिश की चेतावनी

पहली ही झमाझम बारिश में ट्विनसिटी जलमग्न, 206 मिमी. बरसात से निकासी व्यवस्था हुई फेल, सड़कें लबालब, कई इलाकों में भरा पानी

बारिश > दुर्ग 181 मिमी. | पाटन 144.8 मिमी. | भिलाई 115.9 मिमी. | बोरी 95 मिमी. | अहिवारा 77.6 मिमी. | धमधा 46.8 मिमी.

हरिभूमि न्यूज :भिलाई। मानसून की पहली झमाझम बारिश ने जिले के किसानों और ट्विनसिटीवासियों को काफी राहत पहुंचाई है। शनिवार की रात से रविवार तक यानी एक ही दिन में 206.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। पिछले 20 साल की औसत बारिश के हिसाब से 243.4 मिलीमीटर बारिश होना चाहिए। यानी केवल 19 प्रतिशत बारिश कम हुई है। सबसे ज्यादा बारिश दुर्ग में 181 मिलीमीटर हुई है। मौसम विभाग के हिसाब से सोमवार को भी अच्छी बारिश होगी। इधर इस बारिश से दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई तीन चरोदा निगम क्षेत्रों में जनजीवन को भी प्रभावित किया है। निचली बस्तियों और कालोनियों में पानी भर गया है। यहां निकासी व्यवस्था फेल सी दिखाई दी। सड़कों पर पानी ही पानी नजर आया। जिसकी वजह से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। निगम का अमला जलनिकासी व्यवस्था बनाने में जुटा रहा।

इन इलाकों में पानी भरने से हुई दिक्कतें

नेहरू नगर, कोसा नगर व मॉडल टाउन

बारिश से नेहरू नगर, कोसा नगर, मॉडल टाउन जुनवानी और सेक्टर-2 नाला क्षेत्र में पानी भर गया। सीसीएम मेडिकल कॉलेज के सामने स्थित पुलिया पर देखने को मिला। पुलिया पूरी तरह पानी में डूब गई, जिससे अस्पताल आने-जाने का रास्ता बंद हो गया। मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल स्टाफ को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोगों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा। यहां लोगों के घरों में पानी भर गया। कार व अन्य वाहन भी पानी में डूबे नजर आए।

17 करोड़ का रिटेनिंग वॉल बेअसर

17 करोड़ रुपए की लागत से नाले के किनारे बनाई गई रिटेनिंग वॉल के बावजूद मॉडल टाउन, बॉम्बे आवास, विनोबा नगर, कोसा नगर से लेकर मुक्तिधाम तक का इलाका जलमग्न हो गया। जिसकी वजह से लोगों के घरों में पानी घुस गया, जबकि मॉडल टाउन स्थित रस्तोगी कॉलेज के आसपास के रहवासी घंटों तक अपने घरों में ही कैद रहे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस उद्देश्य से यह परियोजना बनाई गई थी, वह पहली ही बारिश में पूरी तरह विफल साबित हुई। उनका कहना है कि जल निकासी व्यवस्था में सुधार के बजाय नाले की चौड़ाई कम कर दिए जाने से पानी का प्रवाह प्रभावित हुआ और जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई।

दुर्ग के कई वार्ड के घरों में घुसा पानी

दुर्ग निगम क्षेत्र के शंकर नगर बौद्ध विहार से दुर्गा चौक तक आसपास की गलियों में लगभग 1 से 2 फीट तक पानी भर गया, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 9, 10, 11, वार्ड क्रमांक 54 पोटिया आबादी पारा और उरला में भी अनेक घरों में बारिश का पानी घुस गया, जिससे लोगों के घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है और जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

रिसाली निगम क्षेत्र के 50 से ज्यादा परिवार रहे परेशान

रिसाली निगम क्षेत्र के अंतर्गत कृष्णा टॉकीज रोड स्थित कृष्णा मार्ग का प्रमुख नाला किनारे की बसे घरों में पानी प्रवेश कर गया । जिसमें आशीष नगर, पूर्व मैत्री नगर, मैत्री नगर, प्रगति नगर का कुछ हिस्सा शामिल हैं। यहां 50 से ज्यादा घरों में पानी घुस गया। स्टेशन मरोदा, नेवई क्षेत्र के निचली बस्ती हिस्सों में भी पानी लोगों के यहां भर गया। जिसकी वजह से लोगों को खासी दिक्कतें आई। लोगों ने बताया कि नाला चौड़ीकरण व सीमेंटीकरण कार्य के लिए लंबे समय से मांग की गई है लेकिन यह नहीं बना। इसलिए ये दिक्कतें हर साल आती है।

प्रियदर्शनीय परिसर, रिसाली सहित पांचों अंडरब्रिज में आवाजाही बंद

भिलाई के प्रियदर्शनी परिसर , चंद्रा-मौर्या, सिरसा गेट अंड़र ब्रिज , दुर्ग अंडरब्रिज, रिसाली उमरपोटी अंडरब्रिज में पूरी तरह पानी भर गया है। जिसकी वजह से इन पांचों अंडरब्रिजों में लोगों का आना जाना बंद है। चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज निर्माण कार्य के चलते महीनेभर से बंद है। शेष चार अंडरब्रिज में पानी भर जाने की वजह से लाखों लोगों को दूसरे मार्ग से आवाजाही करना पड़ रहा है। बारिश से ब्रिज पूरी तरह लबा लब हो गया है। संबंधित निकाय अपने - अपने क्षेत्र के अंडरब्रिज से पानी मोटर पंप लगाकर निकाल रहे हैं। सड़क किनारे भिलाई तीन के तल घर में बने होटल के भीतर भी बारिश का पानी भर गया।

भिलाई-चरोदा के होटल और बस्ती में जलभराव

भिलाई-चरोदा में जलभराव रोकने के दावे भी फेल हो गए। नालियां ओवरफ्लो हो गईं, नाले चोक हो गए और पानी सड़कों पर आ गया। एक दर्जन से ज्यादा निचली बस्तियों के घरों में पानी भर गया। जलभराव के कारण अटल आवास, दादर, जरवाय, जीकेबिन, देवबलौदा, उरला, गनियारी, सिरसा गेट अंडरब्रिज समेत आसपास के कई इलाकों में पानी भरा पड़ा मिला। सड़को में पानी भरने से घंटों ट्रैफिक जाम लगा रहा। हर साल की तरह इस बार भी भिलाई-चरोदा के कई इलाकों में पानी भर गया। महापौर निर्मल कोसरे, आयुक्त डीएस राजपूत का दावा पूरी तरह फेल हो गया है।

नाला निर्माण अधूरा, खुर्सीपार और छावनी में भी जलभराव

जोन 4 खुर्सीपार, छावनी के कई वार्डों में बारिश के कारण नाली-नाला का कीचड़ युक्त गंदा पानी लोगों के घरों घुसा गया और सड़के भी डूबी रही। शिवसेना यूबीटी के भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने बताया कि नगर निगम साफ सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए फूंके जाने के बाद भी व्यवस्था नहीं सुधरी। नंदिनी रोड, जोन 3 संतोषी पारा, वार्ड 33 तेल्हा नाला, इंडस्ट्रियल एरिया के दर्जनों कंपनियों में पानी भरा। नाला की चौड़ाई 60 से 70 फिट बनाया गया है और कई जगहों में 20 फिट में सिमट गई है। नाला की चौड़ाई बढ़ाने का काम कई सालों से चल रहा है।कार्य धीमी गति होने के कारण छावनी की सड़कें लबालब हो गई।

आयुक्त ने टीम के साथ किया जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में हो रही लगातार भारी बारिश के मद्देनजर आम नागरिकों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय स्वयं अपनी तकनीकी और मैदानी टीम के साथ शहर के बड़े नालों और संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का लगातार सघन निरीक्षण कर रहे हैं। जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार भारी मशीनरी और वृहत कार्यबल को मैदान में उतारा गया है। वहीं सभी जोन में आपदा राहत प्रकोष्ठ बनाया है। जहां प्रभावित एरिया के लोग शिकायत कर सकते हैं। आयुक्त के निर्देशानुसार सभी जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी एवं उनकी आपातकालीन टीमें लगातार क्षेत्र में मौजूद हैं। जलभराव की किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे शहर के हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं।

तेल्हा नाला, कोसानाला उफान पर : भारी बारिश के कारण नदी-नालों में बहकर आए कचरे और लकड़ियों को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। कोसानाला, तेलहा नाला, इन्दु आई.टी. नाला सहित शहर की अन्य छोटी-बड़ी नालियों में फंसे मलबे, लकड़ियों और कचरे को जेसीबी मशीनों तथा अतिरिक्त सफ़ाई कर्मियों ने सफाई की।

आज भी होगी झमाझम बारिश

पिछले 24 घंटों में मध्य छत्तीसगढ़ के अधिकांश जगहों में वर्षा हुई तथा कुछ स्थानों में भारी से बहुत भारी वर्षा हुई। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर बने अवदाब के असर से, अगले 48 घंटों में मध्य छत्तीसगढ़ में अधिकांश जगहों में वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कुछ अलग-अलग जगहों पर सीमांत भारी वर्षा होने की संभावना है। 8 जुलाई से पूरे प्रदेश में वर्षा की तीव्रता और फैलाव में कमी आ सकती है।

एचपी चंद्रा, मौसम विज्ञानी लालपुर, छग

भिलाई निगम एमआईसी की बैठक आज, सफाई व्यवस्था मजबूत करने पर चर्चा की

छह महीने से ठप 37 विकास कार्यों को गति देने पर होगा फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) की बैठक लंबे समय बाद सोमवार को महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में निगम मुख्यालय में आयोजित होगी। बैठक में शहर के विकास, सफाई व्यवस्था, अधोसंरचना, आवास, सड़क चौड़ीकरण और 15वें वित्त आयोग से जुड़े कुल 37 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर निर्णय लिया जाएगा।

बैठक का सबसे बड़ा एजेंडा शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर है। निगम के पांचों जोनों में सफाई कर्मियों की उपलब्धता के लिए प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से निविदा आमंत्रित करने के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इसके तहत 70 वार्डों में सफाई व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है।

हाईकोर्ट ने आयुक्त के खिलाफ याचिका की खारिज

महापौर नीरज पाल की एमआईसी छह महीने बाद होने जा रही है। दरअसल पिछली सामान्य सभा के दौरान सदन ने आयुक्त राजीव पांडेय को हटाने का प्रस्ताव लिया था। उसके बाद महापौर व उनके पार्षदों ने आयुक्त के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। इसलिए महापौर व एमआईसी सदस्य यू टर्न लेकर एमआईसी की बैठक करवा रहे हैं। इसके पहले आयुक्त ने एमआईसी की बैठक बुलवाने की कोशिश की तो महापौर व परिषद के सदस्यों ने इनकार कर दिया था। तब से शहर विकास कार्य ठप सा पड़ा हुआ है।

इन विकास कार्यों का है प्रस्ताव, पिछले 6 महीने से जनता को है इंतजार

1. कनाल रोड का नामकरण
कनाल रोड का नाम बदलकर 'भगवान पशुपतिनाथ मार्ग' रखने का प्रस्ताव।

2. लीज भूखंडों के उपयोग परिवर्तन
पूर्व भिलाई-दुर्ग विकास प्राधिकरण द्वारा 30 वर्षीय लीज पर आवंटित भूखंडों के प्रयोजन परिवर्तन संबंधी नीति निर्धारण।

3. 1000 सीटर ऑडिटोरियम
प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में 1000 सीट क्षमता के ऑडिटोरियम निर्माण को मंजूरी।

4. नया निगम मुख्यालय
नगर निगम भिलाई के नए कार्यालय भवन निर्माण पर निर्णय।

5. जवाहर मार्केट विकास
बाजार के उन्नयन और विकास कार्यों को स्वीकृति।

6. प्रधानमंत्री आवास योजना
बीएलसी घटक के ऐसे हितग्राहियों को राहत जिनके द्वारा 90 प्रतिशत राशि जमा की जा चुकी है।
शेष 10 प्रतिशत राशि गरीबों की सेवा निधि से देने पर विचार।

7. भूखंड आवंटन
छठे चरण में रिक्त आवासीय, व्यावसायिक एवं मिश्रित उपयोग भूखंडों का आवंटन।

8. खेल अधोसंरचना
प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक एवं प्राकृतिक फुटबॉल मैदान निर्माण।

9. सफाई व्यवस्था से जुड़े बड़े प्रस्ताव
9 से 13. पांचों जोनों में सफाई कर्मी व्यवस्था जोन 1 से जोन 5 तक कुल 70 वार्डों में सफाई कार्य के लिए प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से श्रमिक उपलब्ध कराने निविदा आमंत्रण।

जल एवं सीवरेज परियोजनाएं

14. जलसंवर्धन परियोजना
15वें वित्त आयोग के तहत 1448.32 लाख रुपए के कार्य।

15. जलसंवर्धन परियोजना
3015.36 लाख रुपए के कार्यों को स्वीकृति।

16. शिवनाथ इंटेकवेल
लंबित बिजली बिल भुगतान (261.50 लाख रुपए)।

17. जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र
शिविर आयोजन संबंधी प्रस्ताव।

18. सीवरेज लाइन नवीनीकरण
वार्ड 69 एवं 70 में सीवरेज पाइप लाइन का नवीनीकरण।

20. स्वच्छ भारत मिशन

19 एवं 21. डॉ. बी.आर. आंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन
संचालन, प्रबंधन एवं संधारण के लिए भवन किराये पर देने का प्रस्ताव।
50 अतिरिक्त सफाई कर्मियों की नियुक्ति हेतु निविदा।

22. स्टेडियम एवं दुकानें
खुर्सीपार स्थित स्टेडियम एवं दुकानों के तकनीकी कार्य और संधारण।

23. वार्ड 70 मांगलिक भवन
परिसर का सौंदर्यीकरण, गार्डन एवं पार्किंग निर्माण।

सड़क एवं प्रकाश व्यवस्था

24 एवं 34. स्ट्रीट लाइट व्यवस्था
पूरे निगम क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों के संचालन, संधारण और रखरखाव कार्य।

25. सड़क चौड़ीकरण
ईसी रोड चौक–पावर हाउस चौक–नंदिनी रोड मार्ग का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

26. जेटिंग मशीन खरीदी
3000 लीटर क्षमता की 4 ट्रक माउंटेड सक्शन-कम-जेटिंग मशीन की खरीदी।

27. एमआरएफ सेंटर संचालन
कचरा प्रसंस्करण केंद्रों के संचालन एवं रखरखाव का प्रस्ताव।

अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव

31. विद्युत देयक भुगतान
शिवनाथ इंटेकवेल के लंबित विद्युत भुगतान का मामला।

32. नए जल स्रोत
नए जल स्त्रोतों के उद्घाटन का प्रस्ताव।
सामाजिक एवं सामुदायिक भवन

33. बड़ी जेटिंग मशीन खरीदी
5000 लीटर क्षमता की 1 ट्रक माउंटेड सक्शन-कम-जेटिंग मशीन की खरीदी।

35. मिलियन प्लस सिटी अनटाइड फंड
3764.60 लाख रुपए के विकास कार्यों को स्वीकृति।

36. खेल मैदान संचालन
जोन-2 क्षेत्र के खेल मैदानों का संचालन एवं प्रबंधन।

---

6 लाख नकद और जेवरात पार

भिलाई। गांव गए एक परिवार के मकान का ताला तोड़कर सोना चांदी के जेवरात और नगदी पार करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि करनाईपुर रघुवंशी थाना दोशपुर जिला सुल्तानपुर उत्तरप्रदेश निवासी दीप जायसवाल का ग्राम नंदिनी खुंदनी में जायसवाल डम्पर हाउस के नाम से आयल ग्रिस बेचने की शॉप है। दो साल से बीएसपी क्वॉटर डीएवी स्कूल सेन्ट्रल एवन्यू रोड क्वार्टर नंबर 9 ए में परिवार समेत रहता है। 16 जून की सुबह परिवार सहित अपने गांव यूपी गया था। 29 जून को गांव में था तभी फोन आया कि मकान का ताला टूटा पड़ा है। गांव से वापस 30 जून को नंदिनी पहुचने पर आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात और नगद 6.48 लाख 250 रूपये गायब मिला।

online Booking:-www.tripuryatra.com
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 17,500/-
15 दिन
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री
श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
श्री त्रियुगीनारायण
अन्य दर्शन:-काशी विश्वनाथ, पंच प्रयाग दर्शन- (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग), माना गाँव (भारत का अंतिम गाँव),धारी देवी,चोपता
15 सितम्बर, 26 सितम्बर,10 अक्टूबर, 22 अक्टूबर, 2026, 02 मई 2027
राशि:-स्लीपर-17,500/-, 3 एसी- 25,500/-, 2 एसी- 30,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

बच्चों को उपहार नहीं, सेवा और ...

लाइव इवेंट

समय रहते निदान और उपचार प्रारंभ होने से मिलेगी दिव्यांग बच्चों का समुचित विकास व बेहतर जीवन गुणवत्ता

भिलाई। दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र राजनांदगांव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधीन कार्यरत संस्थान द्वारा इन्द्रजीत सिंह अध्यक्ष सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के सहयोग से कोहका भिलाई में दिव्यांगजन पुनर्वास सेवाओं, प्रारंभिक हस्तक्षेप, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा भारत सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता सत्र के दौरान सीआरसी राजनांदगांव के अधिकारियों द्वारा केन्द्र में उपलब्ध विभिन्न पुनर्वास सेवाओं जैसे फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, विजन थेरेपी, स्पीच और हियरिंग सेवाएं, विशेष शिक्षा, क्लिनिकल साइकोलॉजी सहित अन्य बहुविषयक सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित अभिभावकों और नागरिकों को बच्चों में विकास संबंधी विलंब अथवा दिव्यांगता की शीघ्र पहचान व प्रारंभिक हस्तक्षेप के महत्व से अवगत कराया गया। बताया गया कि समय रहते निदान और उपचार प्रारंभ होने से बच्चों के समुचित विकास व बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। इस अवसर पर केन्द्र द्वारा संचालित डिप्लोमा इन इंडियन साइन लैंग्वेज इंटरप्रिटेशन तथा डिप्लोमा इन एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन- इंटेलेक्चुअल एंड डेवलपमेंटल डिसएबिलिटीज पाठ्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को इन पाठ्यक्रमों की पात्रता, स्वरूप तथा वर्तमान समय में पुनर्वास एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं कैरियर की संभावनाओं के संबंध में अवगत कराया गया। साथ ही सलाह दी गई कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, आय प्रमाण-पत्र और अन्य आवश्यक अभिलेख अद्यतन रखें, ताकि भविष्य में किसी भी शासकीय योजना का लाभ सहजता से प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम में प्रशांत मेश्राम, धर्मेन्द्र साहू, भानुप्रताप साहू, आकाश राय, दिलीप वर्मा, नितिन देवांगन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

लाइव इवेंट

सैनिकों के बलिदान को किया सैल्यूट, ऑपरेशन सिंदूर के 6 वीरों की याद में लगाए गए 6 पौधे

भिलाई। सीमा पर खून से लिखी गई शहादत को अब धरती पर हरे सिंदूर से याद किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 6 वीर सैनिकों की स्मृति में ग्रीन केयर सोसायटी इंडिया ने नगर वन बायोडायवर्सिटी गार्डन तालपुरी के मेमोरियल जोन में 6 सिंदूर के पौधे रोपे। ये पौधे सिर्फ पेड़ नहीं हैं। ये उस कुर्बानी की निशानी हैं जो हमारे जवानों ने राष्ट्र के लिए दी।

शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

पौधारोपण से पहले ग्रीन केयर सोसायटी के अध्यक्ष एवं पर्यावरण प्रेमी डॉ. विश्वनाथ पाणिग्राही ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सूबेदार मेजर पवन कुमार, रायफल मेन सुनील कुमार, लांसनायक दिनेश कुमार, अग्निवीर एम मुरली नायक, हवलदार सुनील कुमार सिंह, सार्जेंट सुरेंद्र कुमार के सर्वोच्च बलिदान को सैल्यूट किया। डॉ. पाणिग्राही ने कहा सैनिक ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए थे, इसलिए उनकी स्मृति में सिंदूर के पौधे लगाए हैं। ये पौधे हमेशा उनकी याद दिलाते रहेंगे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ रोपण

यह पौधारोपण जन्म, विवाह, स्मृति उत्सव, पर्व त्यौहार, खुशी हो या गम में पौधे लगाएं हम और क्लाइमेट एक्शन मिशन के अंतर्गत किया गया। ग्रीन केयर सोसायटी एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस से 5 जुलाई तक लगातार जागरूकता कार्यक्रम और पौधारोपण कर रही है। इस अभियान को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यूएनईपी की आधिकारिक स्वीकृति भी मिली हुई है। डॉ. पाणिग्राही ने इस कार्य में सहयोग के लिए वन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को देशभक्ति और पर्यावरण दोनों के प्रति जागरूक करेंगे।

रेनकोट से लेकर टच-स्क्रीन पाउच तक, स्टूडेंट्स और ऑफिसर्स की पहली पसंद बने वाटरप्रूफ सामान

रेनकोट, छतरी से आगे निकले लोग, अब मोबाइल लैपटॉप बचाने के लिए खरीद रहे हाइटेक-गैजेट्स

भिलाई। मानसून की पहली झमाझाम बारिश के साथ ही ट्विनसिटी के बाजारों का रंग बदल गया। सड़कें भीगने लगीं और दुकानों पर भीड़ बढ़ने लगी। इस बार बारिश सिर्फ छतरी और रेनकोट तक सीमित नहीं रही। महंगे मोबाइल, लैपटॉप और जरूरी दस्तावेजों को बचाने के लिए लोग अब वाटरप्रूफ गैजेट्स और एक्सेसरीज की दौड़ में लग गए हैं। पावर हाउस और दुर्ग से लेकर स्टेशनरी और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों तक हर जगह एक ही चर्चा है कि बारिश में भीगकर बचने से ज्यादा जरुरी अपने सामान बचाना है।

स्टूडेंट्स और वर्किंग पर्सन की पहली पसंद

मानसून शुरू होते ही कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स और ऑफिस जाने वाले कामकाजी लोगों की सबसे बड़ी टेंशन अपने स्मार्टफोन और लैपटॉप को बारिश से बचाना है। इसीलिए बाजारों में वाटरप्रूफ पाउच, बैग कवर, रेन-प्रूफ ब्लूटूथ स्पीकर की डिमांड अचानक बढ़ गई है। पावर हाउस में रविवार की सुबह से शाम तक खरीदारों की लाइन लगी रही। कपड़े, शूज, स्टेशनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स की दुकानों पर हर वर्ग के लोग खरीदारी करते नजर आए। लेकिन सबसे ज्यादा भीड़ स्टूडेंट्स और वर्किंग प्रोफेशनल्स की रही। एक स्टूडेंट ने कहा पिछले साल कॉपी-किताब और मोबाइल भीग गए थे। इस बार पहले से ही वाटरप्रूफ पाउच और बैग कवर ले लिया है।

साड़ियों की विशाल रेंज
GSTIN : 22ACJPA2905M1Z5 (COMPOSITION)

50 रुपए से शुरू हैं वाटरप्रूफ पाउच

बारिश में सबसे बुनियादी और लोकप्रिय एक्सेसरी है वाटरप्रूफ पाउच। ये पारदर्शी पाउच टच-स्क्रीन फ्रेंडली होते हैं। मतलब पाउच में रखकर भी फोन चलाया जा सकता है। नेविगेशन के लिए बाइक-स्कूटी चलाने वालों के लिए ये वरदान साबित हो रहे हैं। बाजार में इनकी कीमत 50 रुपए से 200 रुपए तक है। मोबाइल, कॉपी, किताब और जरूरी कागजात को गीला होने से बचाने के लिए ये सबसे ज्यादा बिक रहे हैं।

रेनकोट, छतरी और शूज भी टॉप पर

गैजेट्स के साथ पारंपरिक बरसाती सामान की मांग भी चरम पर है। दुर्ग, रिसाली और पावर हाउस , सुपेला में रेनकोट, छतरी, शूज-स्लीपर और वाटरप्रूफ बैग्स की सबसे ज्यादा बिक्री हो रही है। इस बार फैशनेबल और हल्के रेनकोट, फोल्डिंग छतरी और एंटी-स्लिप स्लीपर्स युवाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। दुकानदार विष्णु गोयल ने बताया कि पहले लोग सिर्फ सस्ता रेनकोट लेते थे। अब 800 से 1200 रुपए वाले ब्रांडेड, जैकेट स्टाइल रेनकोट भी खूब बिक रहे हैं। छतरी में भी ऑटो-फोल्ड और डबल लेयर वाली छतरियां डिमांड में हैं।

लोकल मार्केट और ऑनलाइन दोनों में रौनक

शहर के लोकल इलेक्ट्रॉनिक और मोबाइल एक्सेसरीज स्टोर पर वाटरप्रूफिंग एक्सेसरीज की भरमार है। वहीं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी मानसून सेल के नाम से इन सामानों पर भारी डिस्काउंट मिल रहा है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस बार लोग प्रिकॉशन पहले ले रहे हैं। पहले बारिश में डिवाइस खराब होने के बाद लोग भागते थे। अब मानसून से पहले ही प्रोटेक्शन खरीद रहे हैं।

कुल मिलाकर मानसून ने न सिर्फ मौसम बदला है, बल्कि बाजार का ट्रेंड भी बदल दिया है। अब बारिश का मतलब सिर्फ भीगना नहीं, बल्कि स्मार्ट शॉपिंग भी है।

म्यूजिक और पावर के लिए भी वाटरप्रूफ ऑप्शन

बारिश में म्यूजिक का मजा दोगुना करने के लिए आईपीएक्स-7 और आईपी-67 रेटिंग वाले वाटरप्रूफ ब्लूटूथ स्पीकर की डिमांड भी तेज है। ये स्पीकर्स पानी में भीगने के बाद भी खराब नहीं होते। साथ ही मानसून में होने वाली बिजली कटौती से निपटने के लिए वाटरप्रूफ और सोलर चार्जिंग वाले पावर बैंक भी लोग जमकर खरीद रहे हैं। एक बार चार्ज करने पर ये 2-3 दिन आराम से चल जाते हैं।

लैपटॉप बैग और दस्तावेजों की सुरक्षा

सफर करने वाले कामकाजी लोगों के लिए टीपीयू-कोटेड और रेन-कवर वाले नायलॉन लैपटॉप बैग इस सीजन की हॉट डिमांड हैं। भारी बारिश में भी लैपटॉप, चार्जर और जरूरी दस्तावेज पूरी तरह सूखे रहते हैं। दुकानदारों के मुताबिक पिछले 10 दिन में वाटरप्रूफ लैपटॉप बैग्स की बिक्री 30% बढ़ गई है। लोग अब 500-1500 रुपए वाला रेन-कवर बैग लेना पसंद कर रहे हैं ताकि ऑफिस के जरूरी फाइलें खराब न हों।

रंग-बिरंगी पोशाक और लयबद्ध थापों से बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, तालियों की गूंज से बढ़ाया उत्साह

भिलाई। जब छोटे-छोटे पैरों की थाप सभागार में गूंजी तो हर आंख तालियों से भर गई। रंग-बिरंगी पोशाक, चेहरे पर आत्मविश्वास और गीत की हर धुन पर लय के साथ स्कूल में आयोजित एकल नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने शानदार प्रस्तुति देकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल नंदिनी माइन्स में सह-शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत अंतर्सदनीय एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन बच्चों को मंच देने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उनमें सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करने के लिए आयोजित किया गया था।

मंच पर बिखरा बच्चों का जलवा

कक्षा तीसरी से पांचवी तक के बच्चों ने इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आदित्य, अग्नि, अंगीरा और वायु चारों सदनों के प्रतिभागियों ने अपने पसंदीदा गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए। ताल, लय और भाव की ऐसी अद्भुत झलक थी कि पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। बच्चों की सृजनात्मकता, भाव-भंगिमा और मंच पर आत्मविश्वास के साथ हर प्रस्तुति ने दर्शकों खूब तालियां बटोरी और बच्चों का हौसला बढ़ाया।

नित्या गौतम बनीं विजेता

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम नित्या गौतम 5वीं, आदित्य सदन द्वितीय अश्विका साहू कक्षा 5वीं, अग्नि सदन तृतीय भिज्ञा यादव कक्षा 5वीं, आदित्य सदन और श्रेया साहू कक्षा 4थी, वायु सदन सांत्वना समृद्धि जैन अग्नि, सोनल साहू अंगीरा, लावण्या साहू वायु सदन विजेता रहे। वरिष्ठ शिक्षक दिनेश जाधव ने कहा कि शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे आयोजन उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा देते हैं।

पहली बारिश के साथ वरिष्ठों ने बोए हरियाली के बीज, जीवनभर देखभाल का लिया संकल्प

भिलाई। मानसून की पहली फुहार के साथ ही गणपति विहार बोरसी के वरिष्ठ नागरिकों ने पर्यावरण बचाने का संकल्प दोहराया। सियान सदन गार्डन में संस्था के सीनियर सदस्यों ने बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया और इन पेड़ों को जीवनभर संरक्षित करने का प्रण लिया। हर वर्ष बरसात में गणपति विहार के वरिष्ठ नागरिक कालोनी में पौधारोपण करते हैं। इस बार भी परंपरा कायम रही। सियान सदन गार्डन में विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे रोपे गए। पौधों को सालभर पानी मिले इसके लिए ट्यूबवेल की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की वरिष्ठ सदस्या पूनम देशमुख ने 10 हजार रुपए की सहयोग राशि दी। इस राशि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे खरीदकर रोपित किए गए। वृक्षारोपण में सियान सदन के संयोजक मन्नुलाल परघनिया, अध्यक्ष भूषण लाल देवांगन, अभय अग्रवाल, धनुष देशमुख, भागवत वर्मा, आर एस सिन्हा, मोहन देशमुख, लीलक वर्मा, अजय जाधव और श्रीमती पूनम देशमुख सहित कालोनी के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सेवा और समर्पण का सम्मान, लायन्स क्लब ने डॉक्टर्स और सीए को किया नमन

कार्नर न्यूज

स्वस्थ शरीर और मन के प्रहरी चिकित्सक अपने कर्मों से नर सेवा ही नारायण सेवा का देते है संदेश

भिलाई। जब समाज की नींव मजबूत करने वाले हाथों को मंच पर सम्मान मिलता है, तो पूरा सभागार गर्व से भर जाता है। लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट ने होटल अमित इंटरनेशनल के सभागार में डॉक्टर्स एवं सीए सम्मान समारोह आयोजित कर ऐसे ही सेवाभावी लोगों को सम्मानित किया। इस दौरान अथिथियों ने डाक्टरों को धरती पर भगवान के रुप में मानते हुए कहा कि जब पीड़ा अपने चरम पर होती है, तब डॉक्टर का धैर्य, ज्ञान और संवेदना किसी वरदान से कम नहीं होता। ईमानदारी और आर्थिक अनुशासन के साथ ही नर सेवा ही नारायण सेवा है, जिसे चिकित्सक अपने कर्म से सिद्ध करते हैं।

समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और भारत माता व लायन्स इंटरनेशनल के संस्थापक सर मेल्विन जोन्स के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन मंजू शर्मा ने स्वागत भाषण देकर सभी अतिथियो का परिचय कराया। अतिथियों का स्वागत औषधीय पौधे भेंट कर पर्यावरण का संदेश भी दिया गया।

10 डॉक्टर्स और 8 सीए हुए सम्मानित

लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 10 चिकित्सकों और 8 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को स्मृति चिन्ह और औषधियुक्त पौध भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित अतिथियों ने अपने अनुभव और संस्मरण भी साझा किए। मंच पर मुख्य अतिथि लायन डॉ. एस. के. तमेर, विशेष अतिथि सीए सुधीर सुराना, रीजन चेयरमैन लायन अमित खंडेलवाल, जोन चेयरमैन लायन बबीता सोनी और चार्टर प्रेसिडेंट लायन अनिता अग्रवाल उपस्थित थे।

सेवा ही धर्म का दिया संदेश

चार्टर प्रेसिडेंट लायन अनिता अग्रवाल ने कहा कि एक चिकित्सक स्वस्थ तन का प्रहरी होता है और एक सीए सुदृढ़ धन का प्रहरी होता है। दोनों का उद्देश्य एक ही है समाज का कल्याण और राष्ट्र का उत्थान करना है। मुख्य अतिथि डॉ. एस. के. तमेर ने कहा कि जब पीड़ा अपने चरम पर होती है, तब डॉक्टर का धैर्य, ज्ञान और संवेदना किसी वरदान से कम नहीं होता।

सिटी इवेंट

पद्म विभूषण तीजन बाई की अंतिम यात्रा में सम्मिलित होकर दी मौन श्रद्धांजलि

भिलाई। भारतीय लोक कला में असाधारण योगदान, छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का भिलाई के उनके गृहग्राम गनियारी में अंतिम संस्कार कार्यक्रम में राजयोगिनी आशा दीदी सम्मिलित हुई। बीके आशा बहन द्वारा उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में शांति और शक्ति के साथ पद्म विभूषण तीजन बाई की आत्मा को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बीके आशा बहन ने बताया कि मुख्यालय आबुराज पर्वत मधुबन से राजयोगिनी ऊषा दीदी और राजयोगिनी आशा दीदी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में पद्म विभूषण तीजन बाई को महाभारत की कथाओं को अपनी प्रभावशाली अभिनय अनोखी शैली से पंडवानी को देश ही नहीं दुनियां के विभिन्न देशों में छत्तीसगढ़ और भारत का नाम रौशन करने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया था। संस्था सभी सदस्यों ने तीजन बाई को श्रद्धांजली अर्पित की।

मंडल की महिलाओं ने दी मौन श्रद्धांजलि

पद्म विभूषण भारत सरकार से सम्मानित तीजन बाई को, यादव संघ मित्र कल्याण मंडल जिला दुर्ग के महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारियों ने विनम्र श्रद्धांजली दी। सन 2015 में 11वां योद्धा - नर्तन, राऊत नाच महोत्सव में, छत्तीसगढ़ यादवों का उत्साह वर्धन करने दुर्ग बघेरा में पहुंच कर, छत्तीसगढ़ में विलुप्त होते यादव संस्कृति, राऊत, बांस गीत, अखाड़ा और राऊताई हाथा चित्रकला प्रतियोगिता में उत्साह वर्धन करने पहुंची थी और महादीप दान कर महोत्सव का शुभारंभ किया था। आज वार्ड क्रमांक 24 यादव सांस्कृतिक भवन दुर्ग में यादव महिलाओं ने दो मिनट मौन धारण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया।

तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि

इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंडसट्रियल इंजीनियरिंग, भिलाई चैप्टर ने पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। चेयरमैन के. पटेल ने अपने शोक संदेश में कहा कि वे पंडवानी की मशहूर कलाकार और भारत की सांस्कृतिक धरोहर थीं। उनकी बेमिसाल कलाकारी, दमदार आवाज़ और भारत की लोक परंपराओं को बचाने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए जीवन भर का समर्पण हमारी समृद्ध विरासत को दुनिया भर में पहचान दिलाने वाला रहा। तीजन बाई का योगदान सिर्फ़ कला-प्रदर्शन तक ही सीमित नहीं था वे हिम्मत, रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति की कभी न खत्म होने वाली भावना की प्रतीक बन गईं। चैप्टर ने इस अपूरणीय क्षति पर पूरे देश के साथ मिलकर शोक व्यक्त किया है।

वायलिन वादक कीर्ति व्यास ने जताया शोक

वायलिन वादक कीर्ति माधव व्यास ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पद्मविभूषण तीजन बाई का स्वर्गवास ये केवल एक वाक्य नहीं, एक घटना है। पंडवानी रूपी आकाश के सर्वाधिक दैदीप्यमान नक्षत्र का अस्त है, भिलाई स्टील प्लांट का सौभाग्य कहें कि उनके प्रदर्शन से प्रभावित हो अधिकारियों ने उन्हें सेवा देने का प्रस्ताव रखा जो उन्होंने सहज भाव से स्वीकार कर लिया। कीर्ति माधव व्यास ने कहा कि मुझे सेल के कार्यक्रमों में कई बार उनके साथ मंच साझा करने का अवसर मिला, कोलकाता प्रवास में उन्होंने मुझसे एक अच्छा हारमोनियम खरीदने में सहायता मांगी और चितपुर रोड स्थित एक दुकान से हमने खरीदा,ऐसी स्मृतियां ही, जाने वाले का एहसास बनाये रखती हैं। आज इस अपूरणीय क्षति पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

उन्होंने नई पीढ़ी को भी पंडवानी कला : डॉ. वर्मा

साहित्यकार डॉ. परदेसीराम वर्मा ने कहा कि पद्मविभूषण तीजन बाई ने पहला बड़ा प्रदर्शन भिलाई इस्पात संयंत्र के विराट मंच पर दिया इस मंच का एक दशक तक मैंने भी संयोजन किया। पं. दानेश्वर शर्मा और डॉ. विमल पाठक के बाद मैं संयोजक बना। तीजन बाई छत्तीसगढ़ के शिकारी कुल में जन्मी। अपने गांव गनियारी से सरकी बाहरी बेचने वह गांव-गांव जाती थी। छत्तीसगढ़ के चरोदा में जब तूफान से रेलगाड़ी उलट गई तब वह दस वर्ष की थी। अपनी नानी के साथ सरकी बेचकर दूसरे गांव जा रही थी। इसी तरह के तूफानों से जूझती हुई जीवन भर तीजन बाई आगे बढ़ी और पद्मविभूषण सम्मान पाकर उन्होंने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया। साक्षरता अभियान में मैं भिलाई नगर परियोजना संयोजक था। सेक्टर एक की प्रभारी साक्षरता कार्यकर्ता शकुन्तला ने उन्हें अक्षर ज्ञान कराया। वे फर्राटे से जब दस्तखत करती थी तो उन्हें निरक्षर समझने वाले आयोजक चकित रह जाते थे। तीजन बाई पर मैने टेली फिल्म भी लिखा जिसका प्रसारण रायपुर दूरदर्शन से हुआ। उन्होंने नई पीढ़ी को भी पंडवानी कला सिखाया। उषा बारले उनकी शिष्या है जिन्हें पद्म श्री सम्मान मिला।

पंडवानी की गायिका को अंतिम श्रद्धांजलि

लोक संस्कृति कर्मी व जन जाति शोधार्थी राम कुमार वर्मा ने कहा कि डॉ.तीजन बाई पारधी जनजाति की कथा गायन परंपरा को पारिवारिक रुप से ग्रहण कीं और उसे अपनी मौलिक अभिव्यक्ति कुशलता साधना से वैश्विक पटल पर स्थापित किया। पंडवानी गायक चेतन देवांगन, लोक कलाकार राजेश बंछोर, उषा बारले, मोना सेन, सावित्री कहार, पप्पू चंद्राकर सहित काफी संख्या में कलाकारों और ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

सेक्टर-2 आस्था वृद्धाश्रम बना सेवा और संवेदना का केंद्र

बच्चों को उपहार नहीं, सेवा और संवेदना का अनुभव दीजिए, वही जीवनभर का संस्कार बनेगा

भिलाई। आज के समय में जब रिश्ते तेज़ी से बदल रहे हैं और परिवारों में बुजुर्गों की जगह सिकुड़ती जा रही है, ऐसे में एक आयोजन ने समाज को आईना दिखाया। भिलाई के आस्था वृद्धाश्रम में सेवा, सम्मान और संवेदना के दृश्य भाव-विभोर कर दिया। आज के समय में जब लोग क्लब या पार्टी में जाकर उत्सव सेलिब्रेट करते है, वही कई सामाजिक लोग बुजुर्गों की सेवा कर समाज को प्रेरित कर रहे है। रविवार को ऐसा ही एक आयोजन सेक्टर 2 वृद्धाआश्रम में आयोजित किया गया। इस दौरान यह संदेश दिया गया कि संस्कार किताबों से नहीं, घर के व्यवहार से आते हैं और सच्चा उत्सव वही है जिसमें अपनी खुशी के साथ किसी और के चेहरे पर मुस्कान लाने का भाव जुड़ा हो।

वृद्धजन समाज की जीवित विरासत हैं

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि संस्कार उपदेशों से नहीं, व्यवहार से जन्म लेते हैं। बच्चे वही नहीं सीखते जो उनसे कहा जाता है, वे वही सीखते हैं जो वे अपने घर-परिवार में प्रतिदिन घटित होते देखते हैं। उन्होंने कहा कि जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान नहीं, वहां संस्कारों की जड़ें कमजोर पड़ने लगती हैं। वृद्धजन केवल आयु में बड़े नहीं होते। वे अनुभव, धैर्य, त्याग, संघर्ष और जीवन-दृष्टि के भंडार होते हैं। उनके पास वह अनुभव होता है जो पुस्तकें नहीं दे सकतीं और वह आत्मीयता होती है जो पीढ़ियों को जोड़ती है। वृद्धों की सेवा दया का विषय नहीं, बल्कि कर्तव्य, संस्कृति और मानवीयता का प्रश्न है। यदि परिवार अपने बच्चों को केवल आधुनिक सुविधाएं देंगे, पर सेवा और संवेदना का संस्कार नहीं देंगे, तो विकास अधूरा रह जाएगा।

जीवन का पाठ और मुस्कान

कार्यक्रम के दौरान एक बच्चे ने बुजुर्गों से बातचीत की, जिससे माहौल खुशनुमा हो गया। वृद्धजनों के पास जीवन को सहजता, धैर्य और हास्य के साथ जीने की अद्भुत कला होती है। कार्यक्रम का सबसे खास पहलू ये रहा कि देवांगन परिवार ने अपने सुपुत्र ऋत्विक देवांगन का 5वां जन्मदिन वृद्धाश्रम में मनाया। इस अवसर पर देवेंद्र, लीजा, द्रोपती, पूजा, रितिका और ऋत्विक ने वृद्धजनों का आशीर्वाद लिया और सभी को भोजन परोसा। कार्यक्रम में राजेंद्र सुनारिया, नमित क्षत्रिय, पूजा, द्रौपदी देवांगन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सेवा ही सच्चा मार्ग

समाजसेवी हेमा सक्सेना ने वृद्धाश्रम पहुंचकर कहा कि वृद्धाश्रम जैसे स्थान पर आकर मन भीतर तक स्पर्शित हो जाता है। वृद्धजनों की आँखों में अपनापन और स्नेह देखकर लगता है कि सेवा ही जीवन को सार्थक बनाने का सच्चा मार्ग है। उन्होंने आभार जताते कहा कि उनकी संगति में उन्हें सेवा का अवसर मिलता है। सेवा केवल दूसरों की सहायता नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर संवेदनशीलता और मानवीयता को जागृत करने का माध्यम है।

समाजसेवा को सराहा बढ़ाने की अपील

कार्यक्रम में डॉ. अनुपम मौर्य ने कहा कि वृद्धजनों के साथ समय बिताना मनुष्य को विनम्र बनाता है। जिन्होंने अपना पूरा जीवन परिवार और समाज के लिए समर्पित किया, उनके जीवन के बीच के समय में में बुजुर्गों का सम्मान करना बहुत बड़ा कार्य है। मनोज ठाकरे ने कहा कि वृद्धजन हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस तरह के कार्यक्रम परिवारों को सेवा-भावना से जोड़ते हैं और समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। ऐसे आयोजन बच्चों के मन में वृद्धजनों का सम्मान करने का संस्कार विकसित करते हैं। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वृद्धजनों का सम्मान, सेवा और स्नेह केवल एक दिन का कार्यक्रम न रहकर परिवार और समाज की स्थायी संस्कृति बनना चाहिए। यही संस्कारों की सच्ची विरासत है और आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला भी है।

आयोजन...

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा मंच मारवाड़ी स्वागत गीत ने मोहा मन

दुर्ग। अग्रवाल समाज दुर्ग के तत्वाधान में महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय चैयरपर्सन रेखा गुप्ता के प्रथम दुर्ग आगमन पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समाजिक जनों ने भवन के मुख्य द्वार पर पुष्प वर्षा, मंगल गीत और तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। समाज के संरक्षक कैलाश रुंगटा और गौरीशंकर अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. रूही अग्रवाल को महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय महामंत्री पद दिये जाने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विजय अग्रवाल, संजय रुंगटा और सुधीर अग्रवाल ने अग्रसेन महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। स्वागत गीत सुनीता खेतान और कपिला अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। निर्वाणा अग्रवाल ने गणेश वंदना और वर्षा अग्रवाल ने मारवाड़ी स्वागत गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया।

महिलाओं को मिली नई दिशा

अध्यक्ष ललित सेक्सरिया और महिला मंडल अध्यक्ष नीलू अग्रवाल ने कहा कि रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में समाज को नई दिशा मिली है। महिलाओं के सम्मान में समय-समय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर रेखा गुप्ता और डॉ. रूही अग्रवाल को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। भिलाई अग्रवाल समाज के सचिव अनिल अग्रवाल को लायंस क्लब गवर्नर बनने पर विशेष सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में विजय गुप्ता, कमल नारायण रुंगटा, राधेश्याम अग्रवाल, प्रहलाद रुंगटा, मुरारी अग्रवाल, प्रकाश खेतान सहित महिला मंडल, युवा मंडल के सदस्य उपस्थित थे। संचालन मनोज अग्रवाल और प्रीति राजगढ़िया और आभार संजय गर्ग ने व्यक्त किया।

खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

भिलाई। बोरसी स्थित सांस्कृतिक भवन में जिला ताइक्वांडो संघ दुर्ग के तत्वावधान में जिला स्तरीय चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने अनुशासन, फुर्ती और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह की तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियान को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ में खेलों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। ताइक्वांडो जैसे मार्शल आर्ट न केवल शारीरिक मजबूती देते हैं बल्कि अनुशासन, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं। सरकार और जिला प्रशासन खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर जिला ताइक्वांडो संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

क्रांतिकारी सुखदेव राज के बलिदान को किया स्मरण

दुर्ग। शहीद चंदशेखर आजाद और सरदार भगत सिंह के साथ मिलकर देश की आजादी के लिए क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल रहने वाले क्रांतिकारी सुखदेव राज की 53 वीं पुण्य तिथि मनाई गई। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ दुर्ग ने ग्राम अंडा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि क्रांतिकारी सुखदेव राज 1963 से 1973 तक अंडा ग्राम में आश्रम बना कर कुष्ठ रोगियों की सेवा करते रहे। गांव के लोग उन्हें स्वामी जी के नाम से पुकारते थे। 5 जुलाई 1973 को उनके निधन के बाद ग्रामीण उनकी सच्चाई जान पाए थे। श्रद्धांजलि देने वालों में बीएल गजपाल संभागीय अध्यक्ष, पीआर साहू जिला महामंत्री, बीके शर्मा जिला संगठन मंत्री, विजय कुमार देशमुख दुर्ग ब्लॉक अध्यक्ष, एमएन वर्मा, ओपी वर्मा, अधिवक्ता दिनेश वर्मा, जीएस चंद्राकर, हेमेंद्र चंद्रकार आदि उपस्थित थे।

सहकारिता को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने लिया संकल्प

नए सदस्यों को स्वरोजगार प्रशिक्षण, निर्धन बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य शिविर की घोषणा

कार्नर न्यूज

उन्नति महिला सहकारी साख समिति ने सहकारिता सप्ताह पर लिया महिला सशक्तिकरण का संकल्प

भिलाई। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के स्थापना दिवस के 5 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारिता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में उन्नति महिला सहकारी साख समिति मर्यादित भिलाई ने आंबेडकर भवन सुपेला में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने सशक्तिकरण, सहकारिता को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

स्व. नारायण ईमानदार को किया नमन

कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता के क्षेत्र में अतुल्य योगदान देने वाले स्व नारायण ईमानदार के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद समिति द्वारा नए सदस्य बनाई गई महिलाओं को सम्मानित किया गया। समिति ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापना में आर्थिक सहयोग देने के साथ महिला समूह बनाकर स्वरोजगार प्रशिक्षण भी प्रदान करने की घोषणा की।

आने वाले समय की योजनाएं घोषित

कार्यक्रम इस्माइल खान, छत्तीसगढ़ सहकार भारती महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष स्मिता दोडके उपस्थित थीं। उन्नति महिला सहकारी साख समिति की अध्यक्ष कौसर खान ने पिछले वर्ष किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में समिति निर्धन बच्चों को शिक्षा एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करेगी। इसके साथ वृद्धजनों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, निशुल्क कानूनी सहायता और महिला समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियों के विक्रय के लिए सेल स्थापित करने की घोषणा भी की गई।

महिलाओं को सहकारिता से जोड़ने पर जोर

इस अवसर पर स्मिता दोडके ने कहा कि आज पूरे भारत में सहकारिता मंत्रालय का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने उन्नति महिला सहकारी साख समिति द्वारा महिलाओं के लिए चलाए जा रहे आर्थिक स्वावलंबन कार्यक्रमों की सराहना की और कहा कि समिति महिलाओं को सहकारिता से जोड़कर और प्रगति करे। सहकार भारती द्वारा आगामी समय में जिले में महिलाओं को जोड़कर स्वरोजगार निर्मित करने की योजना भी बनाई जाएगी। कार्यक्रम में समिति की उपाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी दुबे, प्रबंधक रत्ना चक्रवर्ती, संचालक रेखा दास, प्रतिमा पारधी, शमीम अख्तर, सुनीता कुमारी, फिरोजा बेगम, तारा विश्वकर्मा, शारदा देवी, मंजू साहू, परमेश्वरी शर्मा, सीता विश्वकर्मा, परवीन बानो, बिंदु शर्मा, रीना ऊके, चांदनी देवांगन, छब्बू दुधी, गंगा कुमारी, रामेश्वरी शिखा, उषा पाटिल, शबनम बेगम, समृद्धि ताम्रकार, सरिता गाडवे, नंदिनी ध्रुव, पिंकी मानिकपुरी, लक्ष्मी यादव, त्रिवेणी यादव, असमिया मिर्जा सहित उन्नति महिला सहकारी साख समिति के महिला समूह की सैकड़ों सदस्याएं उपस्थित थीं। सभी ने सहकारिता को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

सिटी स्पोर्ट्स

बारिश में हो सकती है इलेक्ट्रोलाइट की कमी आहार में लाएं बदलाव

बारिश के इस मौसम में अक्सर कुछ लोगों को इलेक्ट्रोलाइट की कमी की वजह से कमजोरी महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट्स कम होने के और भी कई लक्षण दिख सकते हैं। आइए जानते हैं कि किन चीजों को डाइट में शामिल करने से इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बना रहता है। हमारे शरीर को ठीक से काम करने के लिए सही मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स बहुत जरूरी होता है। ये खनिज (मिनरल्स) शरीर में तरल पदार्थों को संतुलित रखने, नसों के ठीक से काम करने और मांसपेशियों को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। जब शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ जाता है, तो थकान, मांसपेशियों में ऐंठन और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

अच्छी बात यह है कि हम कुछ आम खाद्य पदार्थों से ही इन जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे सोडियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम की कमी को पूरा कर सकते हैं। ये खाद्य पदार्थ न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि आपके शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का सही संतुलन बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

इलेक्ट्रोलाइट्स कम होने के लक्षण

हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स बहुत जरूरी होते हैं। ये नसें, मांसपेशियां और शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखते हैं। जब इनकी कमी होती है, तो शरीर कई संकेत देते हैं। मुख्य लक्षणों में लगातार थकान, कमजोरी, और मांसपेशियों में ऐंठन या दर्द शामिल हैं। आपको चक्कर आना, सिरदर्द या हल्का महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को दिल की धड़कन अनियमित महसूस हो सकती है, जो एक गंभीर संकेत है। इसके अलावा, पेट की समस्याएं जैसे कब्ज या उल्टी भी हो सकती हैं। यदि ये लक्षण बार-बार दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

नारियल पानी के लाभ

नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट्स का सबसे अच्छा सोर्स है, जिसमें पोटैशियम, सोडियम, और मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में होते हैं। यह डिहाइड्रेशन को रोकता है और गर्मी या व्यायाम के बाद तुरंत ऊर्जा देता है। एक गिलास नारियल पानी में लगभग 600 मिलीग्राम पोटैशियम होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। मानसून में दस्त के दौरान नारियल पानी पीना एक अच्छा विकल्प है। इसे सुबह खाली पेट या व्यायाम के बाद पिएं।

एवोकाडो और केले

एवोकाडो पोटैशियम और मैग्नीशियम का उत्कृष्ट स्रोत है, जो मांसपेशियों की ऐंठन को कम करता है और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इसमें हेल्दी फैट भी होती है, जो ऊर्जा प्रदान करती है। एक मध्यम आकार का एवोकाडो सलाद या स्मूदी के रूप में खाया जा सकता है। दूसरी ओर, केले में पोटैशियम और विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में होता है, जो मेटाबॉलिज्म और इम्यूनिटी को बेहतर बनाता है। एक केला रोजाना नाश्ते में या स्नैक के रूप में खाने से इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बना रहता है।

दालें और फलियां

दालें और फलियां, जैसे मूंग, चना, राजमा, और मसूर, मैग्नीशियम, पोटैशियम, और फाइबर से भरपूर होती हैं। ये पाचन को बेहतर बनाती हैं और इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करती हैं। अब क्योंकि दाल में नमक भी पड़ता है तो ये सोडियम की कमी को पूरा कर देता है। मूंग दाल या चने की सब्जी रोजाना खाने से मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूती मिलती है। इन सब के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने के लिए रोज 2-3 लीटर पानी जरूर पिएं।

देश में हार्ट अटैक के मरीज की तादाद लगातार बढ़ रही

दिल की बीमारियों का कोई वंशानुगत रिकार्ड नहीं है तो भी हार्ट अटैक से खुद को सुरक्षित न समझें, मानें डॉक्टर की सलाह

भारत में, 20 से 40 साल की उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़े हैं। इनमें से कई लोगों का कोई फैमिली हिस्ट्री नहीं था। अक्सर लोगों को लगता है कि अगर उनके परिवार में किसी को दिल की बीमारी नहीं हुई है, तो उन्हें भी हार्ट अटैक का खतरा नहीं है। लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है।

हृदय रोग के मामले अब सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या नहीं रह गए हैं, कम उम्र में यहां तक कि 20 से कम आयु वाले भी इसका शिकार हो रहे हैं। हाल के दिनों में आपने कई ऐसी खबरें सुनी-देखी होगीं जिसमें क्रिकेट खेलते, बातचीत करते-करते या ऑफिस में बैठे-बैठे हार्ट अटैक के कारण लोगों की मौत हो गई। इस तरह की खबरें सुनने के बाद मन में पहला सवाल यही आता है कि कहीं हमें भी तो इसका खतरा नहीं है?

हृदय रोगों के लिए आमतौर पर खराब जीवनशैली-गड़बड़ खान पान को बड़ा कारण माना जाता रहा है। इसके अलावा जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को, विशेष रूप से माता-पिता को हृदय रोगों की समस्या रही है उनमें आगे चलकर हार्ट की बीमारियों के होने का खतरा अधिक रहता है। अब सवाल ये है कि अगर आपके परिवार में हृदय रोगों की कोई फैमिली हिस्ट्री नहीं है तो क्या

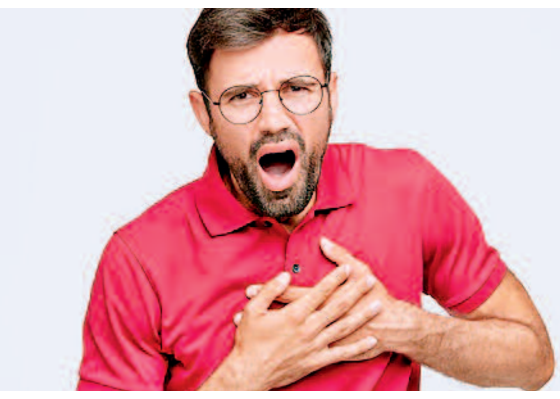

आप हार्ट अटैक से सुरक्षित हैं? आइए इस सवाल की जवाब ढूंढते हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रवि प्रकाश कहते हैं, ये सही है कि जिन लोगों के माता-पिता या खून के रिश्ते वालों को हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रही है, ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ये स्थितियां आपमें भी हार्ट से संबंधित समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। हालांकि अक्सर लोगों को लगता है कि अगर उनके परिवार में किसी को दिल की बीमारी नहीं हुई है, तो उन्हें हार्ट अटैक का खतरा नहीं है। लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है।हार्ट अटैक केवल अनुवांशिक वजहों से ही नहीं होता, हमारी जीवनशैली और पर्यावरण भी इसमें अहम भूमिका निभाते हैं।

बिना फैमिली हिस्ट्री के भी हो सकते हैं हार्ट अटैक का शिकार

इसी को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में हर साल करीब 1.8 करोड़ लोग दिल की बीमारियों से जान गंवाते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्हें फैमिली हिस्ट्री नहीं थी।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक, हार्ट अटैक के 80% मामले जीवनशैली से जुड़े कारणों से होते हैं, न कि केवल जीन से। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 20-40 साल की उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़े हैं, इनमें से कई लोगों का कोई फैमिली हिस्ट्री नहीं थी।

इन कारणों से हो सकता है हार्ट अटैक

डॉ रवि प्रकाश बताते हैं, भले ही फैमिली हिस्ट्री न हो

फिर भी कुछ स्थितियां आपमें हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। इसका सबसे बड़ा कारण है अस्वास्थ्यकर खान-पान जैसे ज्यादा ऑयली, जंक फूड, मीठा और प्रोसेस्ड फूड का सेवन दिल पर बुरा असर डालता है। इसी तरह से धूम्रपान और शराब की आदत भी दिल की सेहत के लिए ठीक नहीं है। शारीरिक निष्क्रियता यानी दिनभर बैठकर काम करना और व्यायाम न करना एक बड़ा रिस्क फैक्टर है। हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी स्थितियां अचानक हार्ट अटैक का कारण बन सकती हैं। क्रॉनिक स्ट्रेस और नींद न पूरी होने से दिल की धड़कनें अनियमित हो सकती हैं और हार्ट अटैक का जोखिम रहता है। इसके अलावा शरीर में ज्यादा फैट या मोटापा होने से धमनियां ब्लॉक हो सकती हैं और हार्ट अटैक का कारण बन सकती है।

डॉक्टर कहते हैं, फैमिली हिस्ट्री का होना या न होना हार्ट अटैक के खतरे को पूरी तरह तय नहीं करता। अगर आपके परिवार में पहले से किसी को दिल की बीमारी नहीं है, तो भी आप पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं।

विश्व पैरा तीरंदाजी सीरीज में फ्रांस से मुकाबले में कांस्य पदक जीता छत्तीसगढ़ के टोमन ने

रायपुर। चेक गणराज्य के नोवे मेस्टो ना मोरावे में विश्व पैरा तीरंदाजी सीरीज का आयोजन 26 जून से 5 जुलाई तक हुआ। भारतीय तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भारतीय तीरंदाजी संघ की 32 सदस्यीय पैरा तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें छत्तीसगढ़ के होनहार पैरा तीरंदाज टोमन कुमार ने अपने साथी श्याम सुंदर स्वामी के साथ टीम स्पर्धा में फ्रांस की मजबूत टीम को 150-148 के रोमांचक अंतर से पराजित कर भारत को कांस्य पदक दिलाया।

मुरारका ने कहा कि इस उपलब्धि से न केवल भारत का गौरव बढ़ा है, बल्कि छत्तीसगढ़ का नाम भी अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में और अधिक सम्मान के साथ स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि टोमन कुमार पिछले दो वर्षों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 8 से 10 अंतरराष्ट्रीय पदक अपने नाम कर चुके हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण उन्हें विश्व स्तर के श्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों की श्रेणी में स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि टोमन कुमार का अगला लक्ष्य 2027 के पैरा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के लिए पदक जीतना है। यदि वे इस लक्ष्य को हासिल करते हैं, तो यह पूरे भारत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लिए भी अत्यंत गौरव और दोहरी खुशी का अवसर होगा।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव, छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के महासचिव आयुष मुरारका, संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों के खेल प्रेमियों ने टोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी को शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि टोमन कुमार आने वाले वर्षों में भारतीय तिरंगे को विश्व के सबसे बड़े खेल मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे और ओलंपिक में पदक जीतकर भारत तथा छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करेंगे।

बरसात में नमक से भरी कटोरी को फ्रिज रखें

अगर आप एक कटोरी में नमक भरकर फ्रिज में रख देंगी, तो आपको पता है कि क्या होगा? यह आपकी बड़ी मुश्किल को हल कर सकता है। चलिए इस लेख में बताएं कि इससे आपका काम कैसे आसान होगा। नमी की वजह से सब्जियां जल्दी गल जाती हैं, मसाले भी खराब हो जाते हैं और सबसे बड़ी मुश्किल है नमक हो जाता है गीला! गीला नमक न सिर्फ इस्तेमाल में मुश्किल होता है बल्कि डिब्बे में जम भी जाता है। ऐसे में लोग तरह-तरह के जुगाड़ अपनाते हैं, कभी इसमें चावल डाल हैं, तो कभी इसे धूप में सुखाते हैं। मगर क्या आपको पता है कि नमक सूखा हो या गीला आपकी एक बड़ी समस्या को हल कर सकता है? क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप नमक से भरी एक कटोरी को अपने फ्रिज में रख दें, तो क्या होगा? यह छोटा-सा किचन हैक बड़े कम का है। यह आपके फ्रिज और किचन की नमी को भी चुपचाप सोख लेता है। आइए आपको बताएं कि यह कैसे काम करता है। बरसात में नमक से भरी कटोरी को फ्रिज में रखने से क्या होता है? मेरी मम्मी अक्सर बारिश के दिनों में कभी नमक की कटोरी तो कभी पोटली फ्रिज में रखती है। उन्होंने बताया कि इससे फ्रिज सुरक्षित रहता है। नमक रखने से क्या होता है, आइए जानें-

नमी को सोखता है

नमक एक नेचुरल ह्यूमिडिटी एब्जॉर्बर यानी नमी सोखने वाला तत्व होता है। फ्रिज के अंदर भी नमी बढ़ जाती है, जिससे सब्जियों की लाइफ कम हो जाती है और बदबू भी आने लगती है। ऐसे में एक खुली कटोरी में थोड़ा नमक भरकर फ्रिज के कोने में रख देने से वह अतिरिक्त नमी को सोख लेता है।

टेटे में विनय-ऋचा ने बाजी मारी बैडमिंटन में शैलेश- पर्ली विजेता

- भारतीय जीवन बीमा निगम की 58वीं मध्य क्षेत्रीय टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन

रायपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मंडल की दो दिवसीय 58वीं मध्य क्षेत्रीय टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन रायपुर के सप्रे शाला टेबल टेनिस हॉल एवं बैडमिंटन हाल में हुआ। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में कार्यरत 8 मंडलों के 24 खिलाड़ियों ने शिरकत की थी। रविवार को सुबह 10.00 बजे हुए प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों का बीमा कर्मियों के साथ साथ राजधानी की खेलप्रेमी जनता ने भी जमकर लुत्फ उठाया। प्रतियोगिता के फायनल राउंड में टेबल टेनिस के पुरुष वर्ग में रायपुर मंडल के विनय बैसवाड़े एवं महिला वर्ग में इंदौर मंडल की ऋचा पटवर्धन विजेता रहे तथा बैडमिंटन के पुरुष वर्ग में बिलासपुर मंडल के शैलेश साहू एवं महिला वर्ग में पर्ली ठाकुर विजेता रहे।

फायनल मैचों के परिणाम

टेबल टेनिस पुरुष वर्ग फायनल में विजेता रहे विनय बैसवाड़े (रायपुर मंडल) ने केशव खंडेलवाल (रायपुर मंडल) को 4-0 से हराया। तृतीय स्थान पर हिमांशु रंगशाही (इंदौर मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर सुशांत श्रीवास्तव (सतना मंडल) रहे। महिला वर्ग फायनल में विजेता ऋचा पटवर्धन (इंदौर मंडल) ने साक्षी धनविजय (रायपुर मंडल) को 4-0 से हराया। तृतीय स्थान पर कोनू पाल (भोपाल मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर श्रीजी गुप्ता (शहडोल मंडल) रहे। बैडमिंटन पुरुष वर्ग फायनल में विजेता रहे शैलेश साहू (बिलासपुर मंडल) ने सुनील चंद्राकर (भोपाल मंडल) को 21-16, 21-18 से हराया। तृतीय स्थान पर जुग्गल संजीव पटेल (रायपुर मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर अमित कुमार निगम (भोपाल मंडल) रहे। महिला वर्ग फायनल में विजेता पर्ली ठाकुर (भोपाल मंडल) ने विनीता एक्का (बिलासपुर मंडल) को 21-8 ,21-12 से हराया। तृतीय स्थान पर पुष्पिका तिग्गा (शहडोल मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर जिशा टिग्गा (रायपुर मंडल) रही। टेबल टेनिस प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे, सहायक मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर गीता पंडित तथा बैडमिंटन प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक रायपुर जिला बैडमिंटन संघ सचिव अनुराग दीक्षित, सहायक मुख्य निर्णायक हेमंत क्रिस्टोफर थे।

प्रमुख रूप से उपस्थित थे

आयोजन सचिव संध्या राज ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय जीवन बीमा निगम, मध्य क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के प्रादेशिक प्रबंधक (पेंशन एवं समूह बीमा) एम.सी. कौशिक और विशिष्ट अतिथि प्रादेशिक प्रबंधक (एचआरडी) एम. कविराज थे। अध्यक्षता भारतीय जीवन बीमा निगम रायपुर मंडल के विपणन प्रबंधक रविन्द्र कुमार पटेल ने की। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रतियोगिता के संयोजक प्रबंधक (कार्मिक) अमित कुमार श्रीवास्तव, चयन समिति के सदस्य प्रबंधक (दावा) नीलमणी द्विवेदी, मंडल खेल समन्वयन समिति, रायपुर के सदस्य प्रबंधक कार्यालय सेवा गिरीश सिन्हा, सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्प्लाइज एसोसिएशन के सह सचिव व्ही. एस. बघेल, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड,सदस्य रायपुर के शशांक शेखर शर्मा, रायपुर डिवीजन इंश्योरेंस एम्पलाईज यूनियन के महासचिव गजेंद्र पटेल, रायपुर डिवीजन प्रथम श्रेणी अधिकारी एसोसिएशन के सचिव आशीष शर्मा उपस्थित थे।

इस अवसर पर मंडल प्रबंधक (पेंशन एवं समूह बीमा) प्रदीप केरकेट्टा, प्रबंधक (आई टी) टी. श्रीहरी, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के पूर्व सदस्य शिशिर गुप्ता, अंपायर एन.जे. राव, पूर्व अखिल भारतीय व्हालीबाल खिलाड़ी यशवंत शर्मा, संध्या भगत, उषा राव, विजय तिरपुडे, मंडल खेल समन्वयन समिति, रायपुर के सदस्य अगेशवर साहू, संजय सेनगुप्ता, दीपक जेम्स, मोहनलाल साहू, सुशांत सैनी एवं अन्य सदस्यगण, खिलाडीगण, तकनीकी समितिगण उपस्थित थे।

कार्नर न्यूज

शादी के पहले साल कुछ बड़ी समस्याओं से होता है दोनों का सामना

शादी का शुरूआती साल है दोनों की परीक्षा की घड़ी, इस दौरान आपकी समझदारी रखती है बाकी जिंदगी की नींव

शादी महज दो लोगों का रिश्ता नहीं है, बल्कि दो अलग संस्कृतियों, आदतों, विचारों और अपेक्षाओं का मिलन भी है। शादी के शुरुआती समय को कपल के लिए हनीमून पीरियड माना जाता है, लेकिन प्यार और नएपन के अहसास के साथ ही शादी के पहले साल में कई छोटे-बड़े झगड़ें और गलतफहमियां भी हो सकती हैं। यही वजह है कि शादी का पहला साल ₹एडजस्टमेंट का साल ₹ कहलाता है, यानी सामंज्य व समन्वय बनाने का साल होता है। शादी से पहले भावी दूल्हा और दुल्हन कई सारे सपने देख लेते हैं। उन्हें लगता है कि शादी के बाद वह अपने जीवनशाथी के साथ एक प्यारभरा वक्त बिताएंगे। अपने हनीमून पीरियड को एंज्वाए करेंगे। लेकिन उन्हें उन ये पता होना चाहिए कि प्यार के साथ ही पहले साल में चुनौतियां भी आएंगी।

यहां ऐसी उन सबसे आम चुनौतियों के बारे में बताया जा रहा है, जिनका सामना लगभग हर नवविवाहित जोड़ा करता है। इन समस्याओं को समझकर पहले से ही मानसिक तौर पर इनके लिए तैयार रहें और साथ ही आसान समाधान जानकर आने वाली चुनौतियों का सामना करें।

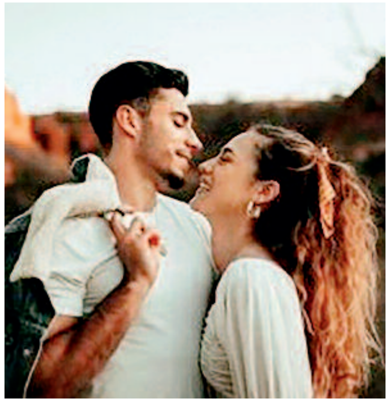

अपेक्षा बनाम वास्तविकता का टकराव

शादी के बाद सबसे पहली चुनौती यह होती है कि हर पार्टनर से पहले से ही कुछ सपने बुन लिए होते हैं। लेकिन जब रोजमर्रा की जिंदगी शुरू होती है तो ये कल्पनाएं टूटने लगती हैं। ग्वालियर की पूनम कहती हैं कि उनकी शादी दिल्ली में नौकरी कर रहे हिमांशु के साथ तय हुई तो उन्होंने सोचा कि वह पूरा दिल्ली घूम लेंगी। इंस्टा रील पर दिखने वाले खूबसूरत कैफे जाएंगी। लेकिन जब वह दिल्ली आईं तो ससुराल और घर की जिम्मेदारी में उलझ गईं। शादी के पहले दो महीने तो उनके मन के मुताबिक रहे लेकिन धीरे-धीरे महीने में एक बार भी पति के साथ बाहर घूमने जाना मुश्किल होने लगा। उन्हें लगने लगा कि ऐसा कुछ तो उन्होंने अपनी शादी को लेकर सोचा ही नहीं था।

शादी को लेकर सपने बुनना, उम्मीद रखना गलत नहीं ,लेकिन उन अपेक्षाओं का टकराव जब वास्तविकता से होता है तो रिश्ते में तनाव आना स्वाभाविक है। अगर ऐसी स्थिति से आपका सामना हो तो परेशान होने के बजाय पार्टनर से खुलकर बात करें। हर चीज की सहमति जरूरी नहीं लेकिन समझदारी जरूरी है।

घर के काम और जिम्मेदारियों का बंटवारा

शादी के बाद पति और पत्नी दोनों के जीवन में बदलाव आता है। उनके ऊपर घर-परिवार की जिम्मेदारी आ जाती है, साथ ही काम भी बढ़ जाता है। अभी तक घर के बच्चों की तरह रह रहे दो लोग जब मिलकर जिम्मेदारियां और काम का बंटवारा करते हैं तो कुछ मनमुटाव संभव है। लड़के को लगता है कि वह परिवार की पूरी जिम्मेदारी उठा रहा है और वहीं पत्नी को लगता है कि वह घर के सारे काम अकेले कर रही है। इस तरह के विचारों के कारण अक्सर कुछ डायलॉग आम हो जाते हैं, जैसे तुमने क्यों नहीं किया?, मैं ही हमेशा क्यों करूं।

शादी से पहले मानसिक तौर पर तैयार रहें कि आपको जीवनसाथी के प्यार और समर्थन के साथ ही जिम्मेदारियां और काम भी संभालने होंगे। वह भी बिना इस अपेक्षा कि पार्टनर आपसे कम या ज्यादा जिम्मेदारी उठाए। इस तरह की समस्या का सामना करने के लिए कपल को हर हफ्ते अपने कामों का बंटवारा प्लान कर लेना चाहिए और टीम की तरह काम करना चाहिए।

ससुराल या माता-पिता के साथ तालमेल

शादी के बाद अपने पार्टनर के परिवार से तालमेल बैठाना आसान नहीं होता। कपल एक दूसरे के करीब तो आ जाते हैं लेकिन एक-दूसरे के माता-पिता को अपने परिवार की तरह समझने में वक्त लगाते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जॉनसन ने प्रशंसक के माथे पर किया सिग्नेचर, रॉक का वीडियो वायरल

जॉनसन ने अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने बच्चों को जिंदगी को लेकर खास सलाह दी है। हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता ड्वेन जॉनसन (द रॉक) ने हाल ही में स्कूली बच्चों से मुलाकात की और उन्हें जिंदगी की एक बड़ी सीख दी। ड्वेन ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात का एक वीडियो भी शेयर किया है। ड्वेन जॉनसन ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में स्कूल के बच्चे रॉक को देखकर बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इन्हीं में से एक रॉक की प्रशंसक ने उनसे कहा कि वह उनके माथे पर कुछ खास लिखें, जो बिल्कुल अलग हो। इस पर ड्वेन ने प्रशंसक के माथे पर लिखा, 'आई लव यू' इसी के साथ उन्होंने अपना सिग्नेचर भी किया। एक बच्चे ने ड्वेन से कहा कि उसके दोस्तों को विश्वास ही नहीं होगा कि वह इतने बड़े एक्टर से मिल रहा है। इस पर ड्वेन ने हंसते हुए कहा, 'अब उन्हें यकीन हो जाएगा। यह कोई नकली या AI वीडियो नहीं है, हम सच में मिल रहे हैं।' इसके बाद रॉक ने वहीं पर मौजूद बच्चों के साथ सेल्फी खींची। ड्वेन जॉनसन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मोआना' के प्रचार में बिजी हैं। यह साल 2016 में आई सुपरहिट एनिमेटेड (कार्टून) फिल्म का लाइव-एक्शन रीमेक है। फिल्म में कैथरीन लागैया 'मोआना' का मुख्य रोल निभा रही हैं। ड्वेन जॉनसन 'माउई' के दमदार किरदार में नजर आएंगे। यह कहानी मोआना नाम की एक लड़की की है, जो अपने द्वीप और लोगों को बचाने के लिए समुद्र के खतरनाक रास्तों पर एक अनोखे सफर पर निकलती है।

टॉलीवुड

दिखी चाचा-भतीजे की जबरदस्त बॉन्डिंग, राम चरण ने की पवन कल्याण की तारीफ

राम चरण ने हाल ही में अपने चाचा और आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर पवन कल्याण के साथ समय बिताया। राम चरण और आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर पवन कल्याण की यह मुलाकात अमरावती में हुई, जिसकी कुछ झलकियां उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। साथ ही एक्टर ने एक खास नोट भी शेयर किया।

राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'गरु के साथ एक शानदार शाम बिताई। अमरावती में बन रहे जन सेना पार्टी के नए ऑफिस की प्रगति देखकर बहुत अच्छा लगा। पूरी टीम को आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं।'

शेयर की गई तस्वीरों में राम चरण और पवन कल्याण को साथ में देखा जा सकता है। ये फोटो अमरावती में बन रहे जन सेना पार्टी के नए ऑफिस की हैं। यह मुलाकात एक तरफ जहां पारिवारिक समय थी, वहीं राम चरण ने पार्टी के नए मुख्यालय का काम भी करीब से देखा।

पोस्ट सामने आते ही दोनों सितारों के फैंस काफी उत्साहित नजर आए। लोगों ने चाचा-भतीजे की इस बॉन्डिंग की खूब तारीफ की। साथ ही राम चरण ने पार्टी के काम को लेकर अपनी सराहना भी जताई और पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

पवन कल्याण इस समय आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर हैं और फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ राजनीति में भी उनका बड़ा नाम है। उनकी जन सेना पार्टी राज्य की सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। वर्क फ्रंट की बात करें तो राम चरण आखिरी बार डायरेक्टर बुची बाबू साना की फिल्म 'पेद्दी' में नजर आए थे। इस फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की और आलोचनाओं के बावजूद ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

भोजपुरी

'फुलौरी बिना चटनी' से लेकर 'घिस घिस' तक मिल रहा नया ठिकाना

इन दिनों सिनेमा की दुनिया में भाषाओं की लकीरें मिटने लगी हैं। जहां अब फिल्मी कलाकार दूसरी इंडस्ट्री में स्पेशली कास्ट किए जा रहे हैं, वहीं इन दिनों साउथ से लेकर बॉलीवुड में सिनेमा में अपनी खास जगह बना रहा है। 'धमाल 4' के 'चटनी' से लेकर 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस' गाने में भोजपुरी का रंग जमकर चढ़ा है। सालों से हिंदी सिनेमा अपनी पैन इंडिया कहानियों के जरिए दर्शकों का दिल जीतता आया है। अब इसी सफर में संगीत भी एक नई दिशा लेता नजर आ रहा है, जहां भोजपुरी धुनें और लोक रंग बॉलीवुड के गानों में नई जान भर रहे हैं। हाल ही में 'धमाल 4' के 'चटनी' से लेकर 'वेलकम टू द जंगल' का 'घिस घिस', कई हिन्दी और साउथ फिल्मों के गानों में भोजपुरी का रंग खूब चढ़ा। बॉलीवुड और साउथ इंडियन फिल्मों में भोजपुरी गानों का तड़का लगाने की एक बड़ी वजह ये है कि बड़ी संख्या में लोग इससे अपना जुड़ाव महसूस करने लगते हैं। हाल के कुछ समय से ये ट्रेंड काफी बढ़ता जा रहा है। बॉलीवुड के बाद अब साउथ की फिल्मों में भी भोजपुरी गानों और गायकों की भारी मांग होने लगी है। बता दें कि अल्लू अर्जुन, प्रभास या यश जैसे बड़े-बड़े साउथ सिनेमा के दिग्गजों की फिल्मों में आइटम नंबर से लेकर बैकग्राउंड स्कोर तक में भोजपुरी फ्लेवर देखने को मिलता है। आइए नजर डालते हैं हालिया रिलीज उन गानों पर एक नजर, जो बॉलीवुड में भोजपुरी संगीत की बढ़ती मौजूदगी को दर्शाते हैं।

लाइफ स्टाइल

बेघरों के लिए

अमेरिका में 'द टीन प्रोजेक्ट' लॉरी बर्न्स नाम की एक महिला की सोच है, जो बेघर लोगों की फिक्र के साथ विभिन्न सामाजिक पहल के जरिए अपना योगदान देता है। इसमें फंड जुटाने फैशन शो भी आयोजित किए जाते हैं, जिससे बेघर किशोरों की मदद की जा सके। 'द टीन प्रोजेक्ट' ऐसे जोखिम वाले किशोरों को सुरक्षित आवास, उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक मदद, काउंसलिंग और एक अच्छा, खुशहाल और स्वस्थ जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन देकर संसाधन और परिवार जैसा सहारा प्रदान करता है।

बारिश में स्किन होने लगी है चिपचिपी, ऐसे दिखें फ्रेश

बारिश का मौसम जहां गर्मी से राहत दिलाने का काम करता है, वहीं इस मौसम में त्वचा की सही तरह से देखभाल न की जाए तो अनचाही स्किन प्रॉब्लम्स भी शुरू हो जाती हैं। दरअसल, इस मौसम में हवा में बढ़ती नमी और उमस के कारण त्वचा से ज्यादा तेल निकलता है और इस वजह से स्किन चिपचिपी होने लगती है। यह चिपचिपापन मुंहासे, ब्लैकहेड्स और त्वचा से जुड़ी कई परेशानियों को जन्म देता है। इस वजह से जहां त्वचा का ग्लो कम हो जाता है, तो वहीं ये बेजान भी नजर आती है। अगर आप इस मौसम में चिपचिपी स्किन को फ्रेश और ग्लोइंग बनाएं रखना चाहती हैं, तो आप इस आर्टिकल में बताई गई टिप्स को फॉलो कर सकती हैं। यहां बताई गई टिप्स चिपचिपी त्वचा को फ्रेश और ग्लोइंग बनाने के लिए मददगार साबित हो सकती हैं। साथ ही, इन टिप्स को आप अपने स्किन केयर रूटीन में भी शामिल कर सकती हैं।

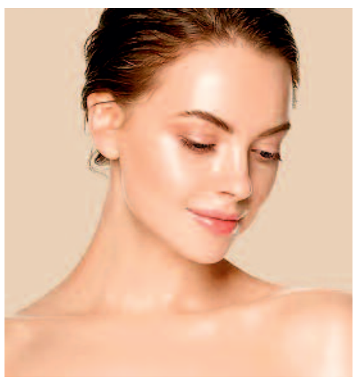

फोमिंग क्लींजर का करें इस्तेमाल

चिपचिपी त्वचा की समस्या से राहत पाने के लिए आप फोमिंग क्लींजर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये त्वचा के एक्स्ट्रा ऑयल और गंदगी को साफ करेगा, साथ ही, पोर्स को बंद होने से भी रोकेगा। फोमिंग क्लींजर की मदद से आप रोजाना चेहरे को साफ करें और ये काम सुबह और शाम दोनों समय करें।

मॉइस्चराइजर का करें इस्तेमाल

चिपचिपी त्वचा होने पर अगर आप मॉइस्चराइजर इस्तेमाल नहीं करती हैं, तो स्किन से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें। ये त्वचा को हाइड्रेटेड रखेगा, साथ ही, त्वचा पर नमी बनाए रखने का काम करेगा। बारिश के मौसम में आप लाइट मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल कर सकती हैं और इसके लिए आप किसी एक्सपर्ट की भी मदद ले सकती हैं।

फेस मिस्ट करें अप्लाई

फेस मिस्ट स्किन के पोर्स को कसने और त्वचा के pH संतुलन को बनाए रखने का काम करता है, साथ ही, फेस मिस्ट स्किन को फ्रेश भी रखता है। फेस मिस्ट को आप दिन में 2 से 3 बार चेहरे पर स्प्रे करें ताकि त्वचा फ्रेश रहे। चिपचिपी त्वचा की समस्या को कम करने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो के डिजाइंस स्टाइलिश लुक पाने आपके लिए

अगर आप स्टाइलिश लुक चाहती हैं, तो आप इस तरह के प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो का चुनाव कर सकती हैं। यह आउटफिट जहां आपको क्लासी दिखाएगा, वहीं ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए भी यह आउटफिट बेस्ट ऑप्शन है। कुर्ता और प्लाजो इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं, और ऐसा इसलिए क्योंकि यह आउटफिट इस समय महिलाओं का पसंदीदा ऑप्शन बन गया है। इस आउटफिट में वे जहां कम्फर्टेबल रहती हैं, तो साथ ही, सुंदर भी नजर आती हैं। इसी के साथ, ये आउटफिट ट्रेंडी और मॉडर्न लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। यह आउटफिट महिलाएं ऑफिस जाने के दौरान पहन सकती हैं और कई सारे खास मौकों पर भी स्टाइल करने के लिए ये बेहतरीन ऑप्शन हैं। यह आउटफिट आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल जाएंगे। भीड़ से अलग और नया लुक चाहती हैं, तो प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो का चुनाव कर सकती हैं।आपको कुछ प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो सेट दिखा रहे हैं। ये आउटफिट आपके डेली वियर को अपग्रेड करने और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो

ऑफिस में स्टाइल करने के लिए इस तरह के फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो बेहतरीन रहेंगे। इनको पहनने के बाद आपका लुक अच्छा लगेगा। यह आउटफिट फ्लोरल पैटर्न में है और वी-नेक डिजाइन में आता है। इस तरह का आउटफिट क्लासी लुक देगा और इसे स्टाइल करने के बाद आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी। इस आउटफिट को आप कई सारे पैटर्न और नेक डिजाइन ऑप्शन्स के साथ ले सकती हैं, और ये आपको आसानी से ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों ही जगहों पर मिल जाएंगे। इस आउटफिट के साथ आप ऑक्सीडाइज झुमकेपहन सकती हैं और हेयर स्टाइल को स्ट्रेट रख सकती हैं। अगर आप किसी पार्टी या फैमिली फंक्शन में शामिल हो रही हैं, तो आप इस तरह के ब्लॉक प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो सेट का चुनाव कर सकती हैं।

सिंपल ड्रेस को ग्लैमरस लुक देंगे ट्रेंडी नेकलेस के डिजाइंस

कई सारे खास मौकों पर महिलाएं ड्रेस स्टाइल करना पसंद करती हैं। लेकिन, इस ड्रेस को कैसे ग्लैमरस और अट्रैक्टिव लुक दें, इसको लेकर वो काफी कन्फ्यूज रहती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है, तो आप इस आर्टिकल में दिखाए गए नेकलेस स्टाइल कर सकती हैं। ये नेकलेस आपके लुक को न्यू टच देने का काम करेंगे, साथ ही, इन्हें स्टाइल करने के बाद आप खूबसूरत भी नजर आएंगी। हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले नेकलेस दिखा रहे हैं। ये नेकलेस आप ड्रेस के साथ स्टाइल करके ग्लैमरस लुक पा सकती हैं।

पर्ल नेकलेस

लाइट या डार्क कलर की ड्रेस के साथ आप इस तरह के पर्ल नेकलेस पहन सकती हैं। यह पर्ल नेकलेस फ्लोरल पैटर्न में है और इसे स्टाइल करने के बाद आपका लुक सुंदर नजर आएगा। यह नेकलेस आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल जाएगा। इस पर्ल नेकलेस को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन, इन दोनों ही जगहों पर 300 रुपये में खरीद सकती हैं।

स्टोन नेकलेस

अगर आप अपने आउटफिट के हिसाब से नेकलेस स्टाइल करने का सोच रही हैं, तो आप स्टोन नेकलेस का चुनाव कर सकती हैं। यह नेकलेस आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन्स में मिल जाएंगे। साथ ही, इस नेकलेस को स्टाइल करने के बाद आपका लुक अच्छा भी लगेगा। यह नेकलेस आपके लुक को ग्लैमरस बनाने के लिए परफेक्ट है और ये आपको सस्ती कीमत में मिल जाएगा। इस नेकलेस को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन, इन दोनों ही जगहों से 400 से 500 रुपये में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

तेज बारिश में भी खिला रहेगा मेकअप इन हैक्स से

बारिश के मौसम में अक्सर मेकअप फैल जाता है। इसी वजह से कई सारी लड़कियों को टचपच करना पड़ता है। लेकिन इस 5 मिनट वाले हैक्स की मदद से आपका मेकअप बारिश में नहीं फैलेगा।

मेकअप से पहले स्किन पर लगाएं एलोवेरा जेल

बारिश का मौसम में अक्सर मेकअप खराब हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप मेकअप करने से पहले एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। एलोवेरा जेल को लगाने से स्किन हेल्दी रहती है। साथ ही, मेकअप भी बहता नहीं है। इसके लिए आपको पहले स्किन को पानी से साफ करना है। फिर अपने चेहरे पर एलोवेरा जेल को लगाना है। इसके बाद स्किन पर से पसीना और ऑयल कम हो जाता है। इससे मेकअप बारिश में नहीं बहता है।

बारिश के मौसम में टिंटेड मॉइश्चराइजर का करें इस्तेमाल

गर्म और नमी वाले मौसम में फाउंडेशन बहने लगता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप टिंटेड मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। यह हल्का और नेचुरल होता है। इसे लगाने से आपकी त्वचा पर लगा पसीना बहता नहीं है। साथ ही, आपको दोबारा टेचअप करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह के मेकअप लुक को आप अच्छी नजर आएंगी।

बारिश के मौसम में मेकअप को सेटिंग स्प्रे से करें सेट

आप बारिश के मौसम में जब भी मेकअप करें तो सेटिंग स्प्रे से इसे सेट करें। सेटिंग स्प्रे को मेकअप अच्छे से सेट करें। इसके लिए आप मेकअप से पहले सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें। इसके बाद मेकअप जब हो जाए तो फिर सेटिंग स्प्रे को लगाएं। इससे आपका मेकअप बारिश में नहीं बहेगा। इस तरह से आप मेकअप लुक को आप ट्राई करें। इस तरह से मेकअप करने के बाद आपको दोबारा टेचअप करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही, आपका मेकअप अच्छे से सेट हो जाएगा।

कार्नर न्यूज

इस मौसम में फैशन पर हावी रहेगा रंग

रिमझिम फुहारों में सिर्फ हरा नहीं, इन रंगों के परिधान भी लगाएंगे चार चांद

हरे रंग के साथ ही अगर आप कुछ नए और ट्रेंडिंग रंगों को अपने स्टाइल और आउटफिट का हिस्सा बनाएंगी तो हर मौके पर आपका लुक सबसे अलग और आकर्षक बन सकता है। आइए जानते हैं बारिश में हरे के अलावा कौन से रंग ट्रेंड में हैं और कैसे उन्हें अपने स्टाइल में शामिल करें।

बारिश का मौसम आते ही हर ओर हरियाली और ताजगी का अहसास होने लगता है। फैशन का भी एक अलग रंग इस दौरान देखने को मिलता है। आमतौर पर बारिश में लोग हरे रंग का प्राथमिकता देते हैं। हालांकि फैशन एक्सपर्ट्स की मानें तो इस मौसम में कुछ अन्य रंग भी उतने ही खूबसूरत और प्रभावशाली लगते हैं। मानसून सिर्फ हरियाली का मौसम नहीं, बल्कि रंगों का उत्सव है। हरे रंग के साथ ही अगर आप कुछ नए और ट्रेंडिंग रंगों को अपने स्टाइल और आउटफिट का हिस्सा बनाएंगी तो हर मौके पर आपका लुक सबसे अलग और आकर्षक बन सकता है। इस मौसम में हरे के अलावा ट्रेंड में दूसरे रंगों की भी जानकारी लेना जरूरी हैं।

गुलाबी रंग

गुलाबी रंग बेहद आकर्षक होता है। बरसात के मौसम के साथ जो नमी आती है, उसमें भी यह रंग फ्रेश लुक देता है। हल्का गुलाबी या बेबी पिंक रंग चेहरे पर खास निखार लाता है। यह रंग मानसून की नमी में भी फ्रेशनेस का एहसास देता है। आप इसे सूट, साड़ी या कुर्ते के रूप में पहन सकती हैं।

नारंगी रंग

हरियाली के इस महीने में नारंगी रंग खिला-खिला दिखता है। यह रंग ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है। नारंगी रंग मानसून की हरियाली में अधिक ब्राइट बना देता है। आप ऑरेंज कलर की एथनिक ड्रेज, लाइट मेकअप और सिंपल ज्वेलरी के साथ एकदम परफेक्ट लुक अपना सकती हैं।

बैंगनी या लैवेंडर रंग

इन दिनों लैवेंडर रंग ट्रेंड में है। बैंगनी या लैवेंडर कलर कभी भी मौके पर आपको रॉयल लुक देता है। लैवेंडर या बैंगनी रंग के आउटफिट आपके स्टाइल में क्लासिक और रॉयल टच लाते हैं। मानसून के धार्मिक अवसरों पर यह रंग सजीवता और गहराई दोनों दिखाता है।

पैस्टल ब्लू

पेस्टल ब्लू या हल्का नीला रंग ठंडक और संतुलन का रंग है। मानसून की उमस में पेस्टल सुकून देता है। यह रंग बेहद शांत और फैशनेबल लुक देता है। इसे ऑफिस से लेकर फंक्शन तक में कैरी किया जा सकता है।

पीले रंग के परिधान

पीला रंग उत्सव और ऊर्जा से भरपूर होता है। बारिश में पीले रंग का अपना ही आकर्षण होता है। हरियाली के बीच जब आप पीले रंग के परिधान में नजर आएंगी तो आपकी खूबसूरती में चार-चांद लग जाएंगे। आगामी दिनों में सावन में कई धार्मिक अवसर, जैसे सावन सोमवार, सावन शिवरात्रि, हरियाली तीज आदि मनाई जाती है। इन धार्मिक अवसरों के लिए पीला रंग एकदम परफेक्ट है।